सतना
17 जून 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

कुलदीप यादव ने...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने तेहरान में ईरानी ब्रॉडकास्ट बिल्डिंग पर किया हमला, बम गिरते ही स्टूडियो से भागी टीवी एंकर

ईरान (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इस बीच, इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में देश के सरकारी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम बरसाए। इस हमले के दौरान टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। टीवी एंकर बम धमाके में बाल-बाल बच गई। बमबारी की घटना टीवी पर कैद हो गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि एंकर न्यूज पढ़ रही है। इस दौरान अचानक धमाके हुआ। एंकर कुर्सी से उठकर भागी और स्टूडियो में हर तरफ मलबा गिरने लगा। पीछे की स्क्रीन काली हो गई। स्टूडियो मलबे और धुएं से भर गया। एक शख्स के अल्लाहु-अकबर कहते हुए आवाज आ रही है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस हमले में ईरानी रेडियो और टीवी से जुड़े कई कर्मचारी मारे गए। दरअसल, इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह एक तरह से युद्ध जैसी स्थिति है। पिछले कुछ दिनों से दोनों देशों के बीच हुए हमलों में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल डिफेंस फोर्स ने सोमवार सुबह ईरान पर एक और हमला किया है, जिसका वीडियो ङ्ग पर जारी किया गया है।

ट्रंप ने रूस को लेकर ओबामा और ट्रूडो को सुना दी खरी-खोटी

अमेरिका (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को सालों पहले जी8 शिखर सम्मेलन से बाहर करने

के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना की। उन्होंने कहा, ÷ त्न7 पहले त्न8 हुआ करता था। करीब नौ साल पहले, रूस को बाहर रखा गया था, जो कि मेरा मानना ??है कि एक गंभीर गलती थी। उस समय, बराक ओबामा और जस्टिन ट्रूडो जैसे नेता रूस को शामिल नहीं करना चाहते थे, लेकिन अगर रूस वार्ता में शामिल रहता, तो शायद आज हम युद्ध का सामना नहीं कर रहे होते। अगर मैं 4 साल पहले राष्ट्रपति होता, तो हम अभी युद्ध नहीं कर रहे होते।÷ ट्रंप ने कहा कि रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन अब ÷टेबल पर नहीं हैं, इसलिए यह जीवन को और अधिक जटिल बनाता है।÷ ट्रंप ने कहा, ÷पुतिन मुझसे बात करते हैं। वे किसी और से बात नहीं करते। वे बात नहीं करना चाहते, क्योंकि जब उन्हें त्न8 से बाहर निकाला गया तो उनका बहुत अपमान हुआ, जैसा कि मैं, आप और कोई भी होगा।÷ एक रिपोर्टर द्वारा पूछे जाने पर कि क्या चीन को भी जोड़ा जाना चाहिए? ट्रंप ने कहा- ÷यह बुरा विचार नहीं है। अगर कोई सिर्फ चीन को शामिल होते देखना चाहता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।÷ अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व नेताओं के लिए शिखर सम्मेलनों में एक-दूसरे से बात करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ग्रुप ऑफ सेवन शिखर सम्मेलन में यह सुझाव दिया कि रूस और शायद चीन को भी संगठन का हिस्सा होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि वह चाहेंगे कि त्न7, त्न8 या संभवतः त्न9 बन जाए।

'हम ब्रिज के नीचे दबे थे, लोग मदद करने की जगह रील्स बना रहे थे'

पुणे (निप्र)। पुणे की इंद्रायणी नदी पर बने ब्रिज के गिरने से हुए हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। वहीं, इस हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। जो गंभीर रूप से घायल हैं उनका तलेगांव के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल

रहा है। तलेगांव के अथर्व अस्पताल में कुल 11 पेशंट एडमिट हैं जिनमें से चार जनरल वार्ड तो वहीं, सात गंभीर रूप से घायल लोग आईसीयू में हैं। एक की हालत क्रिटिकल है जो आईसीयू में है बाकी सभी खतरे से बाहर हैं। जो लोग इस हादसे के वक्त ब्रिज पर मौजूद थे, हादसे का शिकार बने, जो मौत को करीब से चकमा देकर आए उन्होंने बताया कि ये हादसा क्यों हुआ, कैसे हुआ और वहां कितना खौफनाक मंजर था...हादसे के वक्त योगेश भांडवाले और शिल्पा भांडवाले वहां घूमने गए थे। पत्नी बात करने की स्थिति में नहीं है पर योगेश ने बताया कि ÷लोग सेल्फी रील्स के चक्कर में खुद की और दूसरों की जान को खतरे में डाल रहे थे। साथ ही ये असंवेदनशीलता भी सामने आई कि हम ब्रिज के नीचे दबे थे तो लोग मदद करने के बजाए रील्स बना रहे थे। बोर्ड लगा था पर भीड़ के कारण दिखाई नहीं दिया। साथ ही बाइक सवार भी दोनों तरफ से ब्रिज पर पहुंचे। कोई किसी की सुन नहीं रहा था।÷

यूसीएडीए की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका ने दी जानकारी

केदारनाथ धाम के लिए फिर शुरू होंगी हेलिकॉप्टर सेवाएं

देहरादून (एजेंसी)। केदारनाथ धाम के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं 17 जून से फिर से शुरू होंगी। इस बात की जानकारी उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका ने दी है।

बीती 15 जून को केदारनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर वापस गुप्तकाशी लौट रहा हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के पास क्रैश हो गया था। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में महाराष्ट्र के एक दंपति और उनका 23 महीने का बच्चा भी शामिल था। ये घटना सुबह 5 बजे के करीब हुई। हेलिकॉप्टर आर्यन हेली एविशन का था। हेलिकॉप्टर में पायलट समेत सात लोग सवार थे। इस घटना पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया था। इस हादसे का कारण तकनीकी समस्या और मौसम बताया गया।

घटना के सामने आने का बद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हेलिकॉप्टर शटल सेवा का संचालन करने वाली कंपनी आर्यन एविएशन के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया और सुरक्षा

हालात को ध्यान में रखते हुए 15 और 16 जून 2025 को क्षेत्र में सभी चार्टर और शटल हेलिकॉप्टर संचालन को निलंबित कर दिया था।

इसके अलावा आर्यन एविएशन के अकाउंटेबल मैनेजर कौशिक पाठक और मैनेजर विकास तोमर के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 और एयरक्राफ्ट एक्ट की धारा 10 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि आर्यन एविएशन के हेलीकॉप्टर के आज एक दुखद दुर्घटना में शामिल होने के बाद चार धाम यात्रा के लिए इसके संचालन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

बड़े भाई ने सिलबट्टे से मारकर की छोटे भाई की हत्या, दो दिन बाद खुला राज

सीकर (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां फतेहपुर सदर थाना क्षेत्र के दांतरू गांव में बड़े

भाई ने छोटे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की पीछे की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक आरोपी बड़े भाई ने छोटे भाई पर सिलबट्टे के पत्थर से हमला किया। इस हमले में छोटे भाई को गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी बड़े भाई ने छोटे भाई के शव को एक कमरे में बंद कर दिया और फिर वह गांव से चला गया। पुलिस के अनुसार, पूरा मामला 13 जून का बताया जा रहा है। यहां दांतरू गांव में रामअवतार (43) और उसके छोटे भाई घनश्याम (30) के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला ज्यादा बढ़ गया, जिसके बाद बड़े भाई ने छोटे भाई पर सिलबट्टे के पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर चोट लगने की वजह से छोटे भाई घनश्याम की मौत हो गई।

मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्रीयूपी में बिजली गिरने से 48 घंटे में 34 की मौत

राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (निप्र)। मानसून ने मध्य प्रदेश में एंट्री कर ली है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। पिछली बार यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है।

राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के 11 जिलों और महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी बारिश का ऑरेंज-रेड अलर्ट है।

यूपी में भी बारिश का दौर शुरू हो गया है। आज 62 जिलों में अलर्ट है। राज्य में पिछले 48 घंटे में बिजली गिरने की घटनाओं में 34 लोगों की जान गई है। बरेली में भारी बारिश से हाईवे डूब गया है। केरल में बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए मलप्पुरम, कन्नूर, कासरगोड, वायनाड और त्रिशूर में सोमवार को स्कूल कॉलेज में छुट्टी की गई है। कर्नाटक में भी बारिश का रेड अलर्ट है। उडुपी और दक्षिण कन्नड़ के सभी स्कूलों में छुट्टी है।

विजय रूपाणी का राजकोट में अंतिम संस्कार

गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, शाह समेत कई नेता मौजूद रहे

मीडिया ऑडीटर, अहमदाबाद (निप्र)। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन हुआ था। सोमवार रात राजकोट के रामनाथ पारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री-राज्यपाल समेत दूसरे नेता मौजूद रहे।

राजकोट के निर्मला रोड स्थित प्रकाश सोसाइटी से अंतिम यात्रा शाम करीब 7.30 बजे चली थी जो 9.45 के करीब श्मशान घाट पहुंची। 10 बजे अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा के दौरान पूरे रास्ते हजारों लोग मौजूद रहे। घरों से निकलकर लोगों ने रूपाणी को श्रद्धांजलि दी।

सोमवार शाम जब रूपाणी का पार्थिव शरीर उनके घर अंतिम दर्शन के लिए लाया गया था तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। इसके अलावा रूपाणी को 21 बंदूकों की सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) भी दिया गया था।

शाह ने रूपाणी की पत्नी अंजलीबेन और बेटे ऋषभ से मुलाकात की थी। अहमदाबाद में आज सुबह ही रूपाणी का पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंपा गया था। इसके बाद शव को चार्टर्ड प्लेन से राजकोट लाया गया था।

'2027 की जनगणना में जाति जनगणना भी शामिल होगी'

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने किया साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाति जनगणना को लेकर गृह मंत्रालय के प्रवक्ता का बड़ा बयान सामने आया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 2027 की जनगणना में जाति जनगणना भी शामिल होगी। उन्होंने कहा, ये भ्रामक सूचना फैलाई जा रही है कि राजपत्र अधिसूचना में जाति जनगणना का कोई उल्लेख नहीं है। पीटीआई के हवाले से ये जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि जनगणना 2027 में जाति जनगणना शामिल होगी। उन्होंने कहा कि कुछ भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है कि राजपत्र अधिसूचना में जाति गणना का कोई उल्लेख नहीं है। यह बयान तब आया है जब कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सोमवार को जारी राजपत्र अधिसूचना में जाति को शामिल करने के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। साथ ही, उन्होंने पूछा कि क्या यह सरकार का एक और यू-टर्न है। बता दें कि

जनगणना कराने की अधिसूचना आज आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की गई है। जनगणना में जाति जनगणना भी शामिल होगी। भारत में जनगणना दो चरणों में की जाएगी और इसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। भारत की जनगणना साल 2027 में होगी। गृह मंत्रालय की ओर से सोमवार को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जनगणना और जातीय जनगणना से संबंधित नोटिफिकेशन जारी किया गया। जनगणना का पहला चरण एक अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण एक मार्च 2027 तक पूरा होगा। एक मार्च 2027 को रेफरेंस डेट माना जाएगा। इसके बाद आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाएगा।

इसमें गौर करने वाली बात ये है कि पहाड़ी रायों जैसे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में जनगणना की प्रक्रिया अन्य रायों से पहले शुरू होगी। इसे अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। वहीं अन्य रायों में जनगणना मार्च 2027 तक खत्म हो जाएगी।

बता दें कि सियासी मायनों में भी जाति जनगणना एक बड़ा मुद्दा है। इसके होने से जनता को तो लाभ मिलेगा ही, राजनीतिक दलों को भी अपने वोटरों के बारे में सटीक जानकारी मिलेगी। इसका होना सरकार का एक बड़ा फैसला है।

दिल्ली में चल रहा बुलडोजर, गिराए जा रहे 200 से अधिक मकान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बुलडोजर एक्शन चल रहा है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार और उत्तर दिल्ली के वजीरपुर इलाके में प्राधिकारियों ने सोमवार को भारी पुलिस तैनाती के बीच ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा, 'अशोक विहार में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जा रहा है। वहां करीब 250 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है।' अधिकारियों ने कहा कि विशेष कार्य बल का एक दल सोमवार सुबह ध्वस्तीकरण अभियान के लिए खुदाई वाली मशीनें लेकर अशोक विहार के जेलर वाला बाग इलाके में पहुंचा। उन्होंने बताया कि वहां सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए 200 से अधिक मकानों को ध्वस्त किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि वजीरपुर में एक रेलवे लाइन के समीप भी अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए ऐसा ही अभियान शुरू किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'दिल्ली पुलिस कर्मियों के साथ अर्द्धसैन्य बल की दो कंपनी मौके पर मौजूद हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति भंग न हो।'

प्लेन में फिर से खराबी! दिल्ली से रांची जा रही फ्लाइट लौटी वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से रांची जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को उड़ान के बाद वापस दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। इस फ्लाइट को शाम 6ः20 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उतरना था, हालांकि उड़ान के बाद इसे वापस दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि हमारी एक फ्लाइट को टेकऑफ के बाद संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण और मंजूरी के बाद, विमान ने निर्धारित परिचालन जारी रखा।

वहीं अब एयर इंडिया की मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट्‌ढ्ढ2493 को रद्द कर दिया गया है। इस फ्लाइट का संचालन एयरबस A321-211 द्वारा किया जाता है। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशनल समस्या के कारण फ्लाइट में शुरुआत में देरी हुई। हालांकि, देरी की अवधि के दौरान, चालक दल की फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) लागू हो गई, जिसके परिणामस्वरूप फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। फ्लाइट को शाम 6.35 बजे रवाना होना था और शाम 7.55 बजे पहुंचना था, लेकिन यह रवाना नहीं हुई।

बता दें कि इससे पहले भी टाटा ग्रुप के एक विमान में आज खराबी पाई गई थी। हांगकांग से दिल्ली आ रही फ्लाइट के दौरान पायलट ने इंजन में गड़बड़ी महसूस की और एयरपोर्ट से संपर्क करने के बाद इस फ्लाइट को वापस हांगकांग लौटाना पड़ा। एयर इंडिया की फ्लाइट्‌ढ्ढ315 के दौरान विमान

में तकनीकी गड़बड़ी होने के बाद इसे बीच रास्ते से ही वापस लौटा दिया गया। जिस विमान में खराबी आई है, वह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था। हालांकि, इस घटना में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

बता दें कि बीते 12 जून को एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से रवाना हुआ और उड़ान भरने के कुछ सेकेंड के अंदर ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 242 लोग सवार थे। ये विमान लंदन जा रहा था। यह प्लेन अहमदाबाद में ही एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया। इस हादसे में प्लेन में सवार एक व्यक्ति को छोड़कर अन्य सभी की मौत हो गई। जिस इमारत से विमान टकराया था, उसमें मौजूद लोग भी मारे गए और कई लोग घायल भी हो गए। इस हादसे में 297 लोगों की मौत हुई। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी इसी हादसे में मारे गए।

खेलो इंडिया में 18 गेम में भागीदारी, गोल्ड सिर्फ 3 में

भोपाल, (एजेंसी)। खेलों की बात करें तो मप्र की असली ताकत यूथ और जूनियर खिलाड़ी ही हैं। क्योंकि यहां अकादमियों का पूरा फोकस इन्हीं पर है। यहां 12-18 साल के बच्चे रखे जाते हैं। लेकिन, मई में बिहार में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मप्र की ये ताकत चारों खाने चित नजर आई। मप्र ने 18 खेलों में 176 खिलाड़ी उतारे थे, जो महज 32 मेडल जीतकर 10वें स्थान पर रहे। इसमें 10 गोल्ड थे। पिछले यूथ गेम्स के मुकाबले 4 स्थान का सुधार जरूर हुआ है। लेकिन, परेशान करने वाली बात यह है कि दस में से आठ गोल्ड मप्र ने मलखंभ और थांगटा जैसे खेलों में जीते हैं, जो ओलिंपिक में शामिल नहीं हैं। हमारे अधिकतर मेडल ही उन खेलों में हैं, जो ओलिंपिक और एशियन गेम्स में शामिल नहीं है। यही वजह है कि जब ओलिंपिक और एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम चुनी जाती है तो मप्र के खिलाड़ी इक्का-दुक्का ही दिखते हैं। वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल जैसे कई बड़े खेलों में तो मप्र क्वालिफाई ही नहीं कर पाता।

जीआईएस के पहले हुए सौंदर्यीकरण के कामों ने तोड़ा दम

भोपाल, (एजेंसी)। फरवरी में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से ठीक पहले शहर का चेहरा चमकाने के लिए नगर निगम ने करीब 34 करोड़ रुपए खर्च किए। शहरभर में सजावट और सौंदर्यीकरण के काम हुए। सिर्फ वॉल पेंटिंग और फव्वारों पर ही करीब 6 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लिंक रोड, 1100 क्वार्टर, शैतान सिंह चौराहा और वीआईपी रोड समेत अन्य स्थानों पर 26 नए फव्वारे लगाए गए। बड़े तालाब पर लगे फव्वारे को ठीक किया गया। इसके अलावा शहर के सभी वार्डों में वार्डों में लगे फव्वारे को शुरू किया गया। लेकिन, ये चार महीने भी नहीं चल सके। लिंक रोड-1, सात नंबर चौराहा, गोविंदपुरा टर्निंग और शैतान सिंह चौराहा आदि स्थानों का भास्कर ने जायजा लिया तो ये फव्वारे बंद मिले। पानी पर जमी काई ही यह बताने के लिए काफी है कि जीआईएस के बाद ये कितने चले। वार्डों में लगे फव्वारे भी बंद हो चुके हैं।

नौ पार्षदों के उप निर्वाचन में 8823 मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 9 नगरीय निकायों में एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। उप निर्वाचन में 8 हजार 823 मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में कुल 1486, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 1946, नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 1386, गौतमपुरा के वार्ड 15 में 758, ककरहटी के वार्ड 13 में 389, बिछिया के वार्ड 13 में 576, खांड के वार्ड 8 में 375, न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 512 और नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 1395 कुल मतदाता है। यहां पर पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा।

निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 16 जून से शुरू हो चुका है। नाम निर्देशन पत्र 23 जून, 2025 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है। इसी दिन अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। मतदान 7 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा।

मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को

सेवा भाव के साथ जनसेवा ही लोक सेवक की पहचान : राज्यपाल

भोपाल, (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोक सेवक बनकर राष्ट्र के विकास और मानव कल्याण का अवसर बिरले लोगों को ही मिलता है। सेवाभाव के साथ जनसेवा ही सच्चे लोक सेवक की पहचान है। राज्यपाल श्री पटेल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नवनियुक्त जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और विकासखंड अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन के स्वर्ण जयंती सभागार में सौजन्य भेंट कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रशिक्षण में मिलने वाली सीख और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्य अनुभवों का उपयोग प्रशासनिक जीवन की चुनौतियों के समाधान में करें। उन्होंने कहा कि आप जब भी मैदानी भ्रमण पर जाए, जनता से आत्मीय व्यवहार करें उनकी समस्याओं को विनम्रता से सुनें और प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। आमजनों की बुनियादी जरूरतों जैसे- रोटी, कपड़ा, मकान के साथ पानी और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विगत वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से मध्यप्रदेश के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अब दूरस्थ इलाकों तक विकास दिखाई देता है। गरीब, वंचित और जरूरतमंदों के जीवन को बेहतर बनाने के सरकार के लक्ष्य को सफल बनाने की मूल जिम्मेदारी आप अधिकारियों की है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को दूरस्थ अंचलों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आपके पद का परम दायित्व है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान भोपाल की संचालक श्रीमती सरिता बाला ने पौधा भेंटकर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। श्रीमती बाला ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशिक्षु अधिकारी सुश्री आस्था जैन और श्री रवि ने प्रशिक्षण अनुभवों को साझा किया। आभार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री दिनेश जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त आयुक्त श्री अनिल कोचर ने किया।

होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में अब भर्ती सुविधा

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल के आयुष परिसर मैनिट हिल्स में स्थित होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में अब मरीजों के लिए भर्ती होने की सुविधा शुरू की गई है। सेंटर में जोड़ों में दर्द, मोटापा और पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम जैसी समस्याओं का उपचार किया जा रहा है। यह सेंटर केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग और योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है। होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि आजकल महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन की कई स्टेज में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। खासकर कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नए-नए रूप ले रही है और इसके साथ ही जोड़ों में दर्द, काम करने की इच्छा न होना और घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी पैदा कर रही है। डॉ. गुप्ता ने चेताया कि भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म दे सकती है। केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार, इस हेल्थ सेंटर में होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए विशेषज्ञ उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इस विशेष उपचार कार्यक्रम में केवल दवाएं ही नहीं, बल्कि दिनचर्या में सुधार, सही आहार, प्रत्याहार (कुछ चीजों से परहेज), मालिश, हाइड्रोथेरापी (जल चिकित्सा) और स्टीम बाथ को भी शामिल किया गया है।

हर बस्ती तक पहुंचेगा संघ का काम

भोपाल, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल पूरे होने पर संघ की ताकत को और मजबूत बनाने का काम किया जाएगा। शताब्दी वर्ष में संघ का उद्देश्य उत्सव मनाना नहीं हैं, बल्कि आत्मचिंतन करना है। इस साल प्रांत के सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। हर मंडल और बस्ती तक संघ के काम की पहुंच होनी चाहिए। मध्य भारत प्रान्त में तीन वर्षों से संघ का कार्य बढ़ रहा है। शताब्दी वर्ष में हमने पूर्ण प्रान्त का लक्ष्य लिया है। वर्तमान में 1814 में से कुल 1662 मंडल संघ कार्य युक्त हैं। पिछले वर्ष के प्रान्त में कुल 3072 शाखाएं लग रही थीं, जो बढ़कर 3674 हो गयी हैं। यह बातें राजधानी के शारदा विहार में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत की प्रांतीय बैठक में प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया ने कहीं। सेठिया ने कहा कि शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखकर कार्यकर्ताओं ने मंडल और बस्ती तक संघ कार्य को पहुंचाने के प्रयास किए हैं। इन प्रयासों को और बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही स्वयंसेवक सेवाकार्य भी चला रहे हैं। शताब्दी वर्ष संघ के कार्य विस्तार एवं उसे मजबूत करने पर पर केंद्रित होगा। संघ का उद्देश्य इस उपलब्धि का उत्सव मनाना नहीं हैं, बल्कि आत्मचिंतन करना है। संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए समर्थन के लिए आभार प्रकट करना तथा राष्ट्र के लिए तथा समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना हैं। शताब्दी वर्ष में हम अधिक सावधानी, गुणवत्ता तथा व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लें। बैठक में संघ कार्य की स्थिति की समीक्षा की गई और शताब्दी वर्ष की तैयारियों की चर्चा की गई। प्रान्त बैठक में प्रान्त कार्यकारिणी, विभाग कार्यकारिणी और जिला टोली शामिल रहती हैं। इस प्रकार लगभग 550 दायित्व वान कार्यकर्ता बैठक में शामिल रहें। इस अवसर पर प्रान्त संघचालक अशोक पांडेय एवं सह-प्रान्त संघचालक डॉ. राजेश सेठी भी उपस्थित रहे। बैठक में दिवंगत कार्यकर्ताओं, अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अहमदाबाद विमान दुर्घटना में दिवंगत यात्रियों के प्रति मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कान्हा टाइगर रिजर्व देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित

भोपाल, (एजेंसी)। मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया है। कान्हा टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वन अभ्यारण के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। अन्य रिजर्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे।

कान्हा टाइगर रिजर्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2 हजार 485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम 8602.15 किलोग्राम प्रति वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है। इस आधार पर इस रिपोर्ट में कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों की बढ़ती आबादी के लिये एक आदर्श निवास घोषित किया है। यहां विविध शाकाहारी प्रजातियों की संख्या में लगातार आनुपातिक वृद्धि से यह जैविक रूप से सबसे समृद्ध और संतुलित वन्य-जीव पारिस्थितिकी तंत्र बन गया है।

कान्हा टाइगर रिजर्व अपनी प्रबंधन नीतियों के कारण आदर्श बाघ निवास बन सका है। यहां वर्षभर घास भूमियों की देखरेख, जल स्त्रोतों का निर्माण, झाड़ियों की सफाई, लांटाना जैसी घासों का उन्मूलन और बाघ-आहार प्रजातियों की संख्या बढ़ाने के लिए आवास सुधार के कार्य जारी रहते हैं। गर्मियों में जल संकट से निपटने के लिए कृत्रिम जलकुंड, सोलर बोरवेल्स और तालाबों का गहरीकरण एवं साफ-सफाई नियमित रूप से की जाती है।

सीएम से मिला आश्वासन, क्रशर संचालकों ने वापस ली हड़ताल

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से रॉयल्टी, माइनिंग प्लान आदि पर मिले आश्वासन के बाद मप्र के स्टोन क्रशर संचालकों ने शनिवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली। संचालकों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने उनकी सभी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। लगभग दो हफ्ते चली हड़ताल के बाद गिट्टी की कमी से सड़क, भवन आदि के निर्माण प्रभावित हो रहे थे। दो हफ्ते पहले स्टोन क्रशर संचालक हड़ताल पर चले गए थे। शुक्रवार को मुख्यमंत्री से क्रशर संचालक दो बार मिले और समस्याएं रखीं। खनिज अधिकारियों के अलावा सीएम सचिवालय के प्रमुख सचिव राजेश राजौरा भी इसमें शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चर्चा के लिए कहा और आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा। संचालक मुख्यमंत्री से दोबारा भी मिले। एसोसिएशन सदस्यों ने बैठक की और सहमति से हड़ताल वापस ले ली। चार खनन अधिकारियों की समिति बनी है।संचालकों का आरोप था कि ठेकेदार रॉयल्टी पर्ची उनसे लेने की बजाय सरकारी निर्माण एजेंसियों के पास रॉयल्टी जमा कर देते हैं। अपने खनन को वैध सिद्ध करने में दिक्कत होती है। सैटेलाइट सीमांकन के लिए लिए जा रहे कोऑर्डिनेट राजस्व के कोऑर्डिनेट से अलग आ रहे हैं, खनन अवैध साबित हो जाएगा।

जल संरक्षण में नवाचार, सॉफ्टवेयर से खेत-तालाब के लिए स्थान चयन

भोपाल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के रूप में जल संरक्षण के संकल्प की सिद्धि का मिशन बन गया है। यह अभियान प्रदेश में जन-सहभागिता की ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ है। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून, 2025 तक संचालित इस अभियान का उद्देश्य नदियों, जल स्त्रोतों और वेटलैंड्स का संरक्षण तथा पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। जल संरक्षण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों को देश भर में सराहना मिली है। प्रदेश में रिकॉर्ड खेत तालाब बनाए जा रहे हैं। खेत तालाबों के लिए स्थान चयन में नवाचार किया जा रहा है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। सिपरी (सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर) सॉफ्टवेयर को राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल ने इसरो के सहयोग से तैयार कराया है। इस साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। यह सॉफ्टवेयर जीआईएस आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से जल सरंचना स्थलों के चयन को अधिक सटीक बनाता है। देवास जिले ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जन अभियान परिषद की कन्नौद इकाई ने धूत कृषि फार्म की प्राचीन बावड़ी 'बाग कन्नौद' में पौधारोपण किया। इसके साथ हनुमान चालीसा का पाठ और भजन कीर्तन कर प्राचीन बावड़ी की सफाई की गई। बावड़ी को लाइटिंग और दीपों से सजाया गया। अग्निहोत्र गंगा जी और नर्मदा जी की आरती और प्रसाद वितरण के साथ वावड़ी-उत्सव मानाया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में जनअभियान परिषद की नरसिंहपुर इकाई ने चिनकी के गांव श्रीराम आरण्यक में जल व पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की। संगोष्ठी के बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सामूहिक पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण का संरक्षण संदेश दिया।

32 लाख श्रमिकों को मिला रोजगार 1500 करोड़ रुपये की मजदूरी का भुगतान

भोपाल , (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिये देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार इस अभियान को मिशन मोड में संचालित कर रही है। प्रदेश में कमजोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें मनरेगा योजना गरीबों किसानों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला रहा है, बल्कि सिंचाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के अंतर्गत खेत-तालाब, अमृत-सरोवर, कुएं, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, मेड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण, जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संचयन के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2025-26 में मजदूरों को अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिले, इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों के 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है। प्रदेश में बारिश के पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

सीएमएचओ ने सिविल अस्पताल बैरागढ़ में रात्रिकालीन चिकित्सा सेवाओं का लिया जायजा

भोपाल , (एजेंसी)। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में रात्रिकालीन चिकित्सा सेवाओं का जायजा लेने के लिए सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। रात 8:30 बजे अस्पताल पहुंचकर उन्होंने सर्वप्रथम ड्यूटी डॉक्टर्स की उपस्थिति की जानकारी ली। रात्रिकालीन ड्यूटी डॉक्टर के विलंब से आने और रिलीविंग डॉक्टर द्वारा नाइट ड्यूटी डॉक्टर के आने से पहले ही अस्पताल से निकल जाने पर सीएमएचओ द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई । इन चिकित्सकों को कारण बताओं नोटिस जारी किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने भर्ती प्रसुताओं से स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। साथ ही मरीजों को दिए जा रहे खाने की क्वालिटी को चेक किया गया। महिलाओं ने बताया कि अस्पताल में सभी स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर तरीके से मिल रही है। अस्पताल में जगह जगह फैली गंदगी, गुटके और पान के निशान को देखकर

डॉ. शर्मा ने नाराजगी व्यक्ति करते हुए अस्पताल अधीक्षक को निर्देश दिए कि अस्पताल में साफ सफाई का निरीक्षण प्रतिदिन किया जाए। अस्पताल स्टाफ, मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल परिसर को स्वच्छ रखने की समझाइश दी जाए।

180 एएनएम की नियुक्ति का रास्ता साफ, दस्तावेज को जांचना शुरू...

भोपाल (एजेंसी)। महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) की सीधी भर्ती प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर ने 28 अप्रैल 2025 को आदेश दिया। इसके बाद राज्य शासन ने भर्ती प्रक्रिया फिर शुरू करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 11 जून को आदेश जारी किया। अब 13 जून से 23 अगस्त तक सभी जिलों में दस्तावेजों की जांच होगी। सभी जिलों के सीएमएचओ को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। याचिका संख्या 5747/2023 (तबासूम कुरैशी व अन्य बनाम मप्र शासन) के याचिकाकर्ता और अन्य पात्र अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा। दस्तावेज जांच के बाद नियुक्ति आदेश जारी होंगे। इस भर्ती के लिए 2023 में चयन परीक्षा हो चुकी थी। योग्यता विवाद के कारण नियुक्ति रुकी थी। अब कोर्ट के फैसले से 180 से अधिक अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। 2012-13 से पहले 10वीं के आधार पर एएनएम कोर्स में दाखिला लेने वाले पात्र होंगे। इसके बाद ऐसा करने वाले अपात्र माने जाएंगे।

यूथ हेल्पिंग हैंड्स ने किया 225 मेधावी छात्रा सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सामाजिक संस्था यूथ हेल्पिंग हैंडस द्वारा मेधावी छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन 15 जून रविवार को शाम 4 बजे से अमृत वाटिका में आयोजित किया गया जिसमें सतना एवं मैहर जिले की समस्त मेधावी छात्राएं जिन्होंने 9 वी से 12वी क्लास में आगामी परीक्षा परिणामों में 85% या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाली छात्राओं का सम्मान किया गया। संस्था के संस्थापक रुपेश वलेचा ने बताया यह भव्य कार्यक्रम ब्रह्मकुमारी आश्रम परम आदरणीय रानी दीदी, मेडिकल कॉलेज डीन एस पी गर्ग, जी एस डी एम राहुल सिसोदिया,जी सी एस पी देवेन्द्र प्रताप सिंह जी, जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष सुधा सिंह,डॉ सारिका कालरा गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की।

संचालन करते हुए डॉक्टर मनीषा सोई जी में आए हुए अतिथियों एवं समाजसेवीयो का संस्था के सदस्यों से सभी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत करवाया। रानी दीदी ने अनमोल वचन से देते हुए बच्चियों को अपने से प्रेम करना अपने पे विश्वास करना मन को स्थिर कर लक्ष्य को हासिल करने का मंत्र बताया। डा. एस पी गर्ग जी अपने उद्बोधन में कहा बच्चे ही देश का भविष्य है और आप लोग आगे बढ़िए जहां हमारी आवश्यकता है हम आपके साथ हैं।

एस डी एम राहुल सिसोदिया ने कहां मुझे बहुत खुशी हो रही है आज इतनी छात्राओं का सम्मान हो रहा हैं शिक्षा जीवन का आधार है शिक्षा से ही व्यक्तित्व का विकास होता है।

डॉ. सारिका कालरा ने कहा भारत में शिक्षा का विशेष महत्व क्योंकि यह हमारे देश के विकास की कुंजी है शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझता है और समाज में बदलाव लाने की क्षमता रखता है में सभी छात्राओं को साधुवाद देती हूं। सी,एस,पी देवेंद्र प्रताप सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा शिक्षा के मंदिर में शिक्षा का ज्ञान तो मिलता है एक शिक्षित व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बनता है।

चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा जी ने बच्चों को साधुवाद देते कहा आज आपका सम्मान हो रहा है यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है क्योंकि युवा ही देश का भविष्य है मैं आयोजक मंडल को बधाई देता हूं जिन्होंने ऐसा शानदार आयोजन किया। सभी अतिथियों ने बच्चों को पढ़ाई के क्षेत्र में किस प्रकार आगे बढ़कर अपना भविष्य उज्जवल करना हे उनकी अनेकों अनेक जानकारियां प्रधान की । अतिथियों ने सभी मेधावी छात्राओं को सम्मान पत्र,गिफ्ट वाउचर एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में आए हुए सभी अतिथियों को संस्था संयोजक रूपेश बलेचा ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का सफल संचालन नित्यानंद द्विवेदी एवं डॉ.मनीषा सोई ने किया एवं आभार अमित शर्मा ने व्यक्ति किया। यूथ हैल्पिंग हैंड्स टीम से डॉ मनीषा सोई,भक्ति सुखेजा,माधुरी शर्मा, डॉली भामरी,ज्योति मनवानी,डॉ एकता वाधवानी, सुहानी वलेचा, अक्षरा दासानी, स्वाति तिवारी ,अमित भवनानी, राजेन्द्र गुप्ता,अमित शर्मा, सोमेश आहूजा,अमन जायसवाल, मनीष आसरानी,संजय खिलवानी, हिमांशु श्रीवास्तव,नित्यानंद द्विवेदी, राजेश आसरानी,योगेश दासानी,गुलाब राय,सोनू नामदेव आदि उपस्थित रहे

संस्कृत भारती रीवा की आगामी कार्ययोजना को लेकर बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संस्कृतभारती रीवा की संगोष्ठी जिले की प्रसिद्ध बोदाबाग स्थित सूर्यमुखी मन्दिर में सम्पन्न हुई जिसमें संगठन के चल रहे नए आयामों में विस्तृत चर्चा की गई बैठक में मुख्यरूप से महाकौशल प्रान्त के प्रान्त सहमंत्री संदीप मिश्र जी ने बताया कि, संगठन का मुख्य उद्देश्य है संस्कृत भाषा का प्रचार प्रसार करना हैं, एवम् 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण वर्ग लगाकर पुनः संस्कृत को व्यवहारिक भाषा बनानी है। श्री मिश्रा जी ने बताया है कि पत्राचार द्वारा संस्कृत सीखने की कार्य योजना का क्रियान्वयन हो चुका है। लाखों लोग इसका लाभ ले रहे हैं।सभी संस्कृत अनुरागी जनों को पत्राचार में पंजीयन करके इस व्यापक आयाम का लाभ लेना आवश्यक हैं। तमिलनाडु राज्य के कोयंबटूर में होने जा रहे अखिल भारतीय स्तर के संस्कृत सम्मेलन की जानकारी देते हुए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से कीर्ति कुमार त्रिपाठी जी, प्रान्तसहमंत्री संदीप मिश्र जी, विभाग संयोजक डॉ. कृष्णमणि शुक्ल जी, जिलामंत्री संतोष त्रिपाठी जी, नगरमंत्री डॉ. शिवम् चतुर्वेदी जी, नगर महाविद्यालय प्रमुख रितिक गौतम जी, प्रभा पाण्डेय जी, प्रभांशु कमल मिश्रा जी, सचिन मिश्रा जी, एवं अन्य कार्यकर्ता संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा नशामुक्ति पर आयोजित की गई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत त्योंथर के जनपद सभागार में आज 16 जून 2025 को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईशवरीय संस्थान के माध्यम से सामाजिक न्याय विभाग के सौजन्य से नशामुक्त कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें जनपद त्योंथर की 97 पंचायतो के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य कर्मचारियों ने राजयोग के माध्यम से स्वयं और समाज को नशा मुक्त करने के गुर सीखे।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्रह्मकुमारी डॉ अर्चना दीदी और डॉ रामचन्द्र जी रहें।नशे के दुष्प्रभाव को समझकर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अरविंद तिवारी की उपस्थिति में स्वयं की इच्छा से 45 सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और कम्प्यूटर ऑपरेटर ने पूरी तरह से शराब, गुटका, तम्बाकू जैसे नशे का सेवन त्याग दिया।और लोगों के बीच जागरूक करने की भी शपथ ली..कर्मचारियों ने सबके समक्ष नशे का सेवन न करने और समाज को नशे से दूर रखने की शपथ ली और लिखित सहमति भी दी।

भारत विकास परिषद की प्रांतीय कार्यशाला एवं दायित्व ग्रहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत विकास परिषद विन्ध्यप्रान्त की प्रांतीय परिषद की कार्यशाला एवं दायित्व ग्रहण का कार्यक्रम स्थानीय ''होटल स्टार'' में रीजनल अंकेक्षक सी.ए. सत्यम केशरवानी के मुख्य आतिथ्य में तथा प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप प्रान्तीय संरक्षक राकेश अग्रवाल, प्रान्तीय सलाहकार प्रो0 बी.पी. सूरी तथा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मेघा पवार जी उपस्थित रही। कार्यशाला का संचालन प्रांतीय महासचिव योगेश जैन एवं रीवा शाखा सचिव राजेन्द्र ताम्रकार ने किया। कार्यशाला का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों द्वारा भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्प अर्पण कर हुआ तत्पश्चात् सामूहिक वन्देमातरम का गायन हुआ। इसके पश्चात् अतिथियों का तिलक लगाकर एवं श्रीफल भेट कर स्वागत किया गया । तथा स्वागत उद्बोधन शाखा अध्यक्ष श्री कमल सूरी ने दिया। कार्यशाला के प्रथम सत् में रीजनल अंकेक्षक सी.ए. सत्यम केशरवानी ने भारत विकास परिषद विध्यप्रांत 2025-26 की कार्यकारिणी को दायित्व ग्रहण कराते हुए संगठन के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई।

कार्यशाला के द्वितीय सत् में प्रांतीय संरक्षक राकेश अग्रवाल ने विन्ध्य प्रांत की नवीनतम कार्यकारिणी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि- दायित्व उसी को देना चाहिए जिसमें दायित्व को निर्वहन करने की क्षमता हो तथा दायित्व ग्रहणकर्ता को भी चाहिए यदि दायित्व उसके अनुकूल नहीं है तो उसे पूर्णरूप से मनःस्थिति बनाकर ग्रहण नहीं करना चाहिए। ताकि उचित व्यक्ति को दायित्व मिले और वह संगठन के प्रति निष्ठा से कार्य कर सके।

प्रांतीय सलाहकार प्रो0 बी0पी0 सूरी ने कहा कि- कोई भी संगठन बिना जनता के सहयोग के नही चलता जिसके लिए सतत् सम्पर्क की आवश्यकता होती है भारत विकास परिषद के पॉच सूत्रों में प्रथम सूत्र सम्पर्क है इसलिए सदस्यों नगर के गणमान्य नागरिकों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक एवं वरिष्ठ व्यक्तियों के सतत् सम्पर्क में रहकर संगठन के विकास के लिए कार्य करना चाहिए।

रीजनल अंकेक्षक सी.ए. सत्यम केशरवानी ने प्रान्त एवं शाखाओं लेन-देन के लिए रखे जाने वाले लेखा पत्रों के रख-रखाव की जानकारी प्रदान की तथा प्रतिवर्ष शाखाओ को आडिट रिपोर्ट तैयार करने और बैंक खातों के लेन-देन की जानकारी प्रदान की।

प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र तिवारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से संदेशों की आदान प्रदान की जानकारी प्रदान करते हुए शाखाओं द्वारा वर्ष भर किये जाने वाले कार्यो के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में प्रांतीय उपाध्यक्ष आलोक टिकरिया ने पालको के प्रवास एवं दायित्व पर प्रकाश डाला तथा प्रातीय उपाध्यक्ष गोपाल दूत ने शाखा विस्तार एवं दृढीकरण , प्रांतीय संस्कार संयोजक सुरेश विश्नोई ने संस्कार प्रकल्प में, प्रांतीय सम्पर्क संयोजक प्रदीप जैन ने सम्पर्क प्रकल्प में, प्रांतीय सेवा संयोजक उज्जवल पवार ने सेवा प्रकल्प में, प्रांतीय पर्यावरण संयोजक संजय गुप्ता ने पर्यावरण प्रकल्प में तथा प्रातीय महिला सहभागिता संयोजक श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव ने महिला सहभागिता प्रकल्प में तथा प्रांतीय वित्त सचिव आलोक खोडियार ने ए.पी.ओ, पेनकार्ड, सदस्यता शुल्क एफ्लेशन शुल्क एवं बी.व्ही.पी. एप के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंत में जिज्ञासा समाधान का सत् रखा गया तथा कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र सिंह बघेल ने सभी आमंत्रित अतिथियों, प्रातीय पदाधिकारियों, एवं उपस्थित शाखाओं के पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से छतरपुर से अध्यक्ष अनुपम टिकरिया, सचिव उमेश लालवानी, कोषाध्यक्ष रामनारायण अग्रवाल, सेवा प्रमुख राजीव रूसिया, कटनी से प्रांतीय समग्र ग्राम विकास प्रमुख प्रमोद त्रिसोलिया, संयोजक सेवा प्रकोष्ठ धन्य कुमार गांधी, कोषाध्यक्ष मनीष गेलानी, पन्ना से संरक्षक डॉ. श्रीमती दुर्गा त्रिपाठी, अध्यक्ष कैलाश सोनी, उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती निशा जैन, महिला प्रमुख श्रीमती निधि राय, संस्कार प्रमुख अजय राय, मऊगंज से संस्कार प्रमुख नृपेन्द्र सिंह, सिंगरौली से प्रांतीय संयोजक गुरूवन्दन छात्र अभिनन्दन डॉ. ओ0पी0 राय, प्रांतीय स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान प्रमुख मिथिलेश मिश्रा, सचिव राजेन्द्र त्रिपाठी, सीधी से सचिव उत्कर्ष गुप्ता, महिला प्रमुख रचना मिश्रा, संस्कार प्रमुख नीति केशरवानी, सम्पर्क प्रमुख रामजी शुक्ला, सेवा प्रमुख विक्रम शर्मा, अनूपपुर से राजकिशोर तिवारी अध्यक्ष, सचिव आनन्द पाण्डेय, शहडोल मुख्य शाखा से प्रांतीय संयोजक स्थापना प्रदीप गुप्ता, अध्यक्ष शैलेष ताम्रकार , सचिव डॉ. प्रशांत खरिया, शहडोल स्वामी विवेकानन्द शाखा से अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, श्रीमती श्रृजा गुप्ता, शक्ति जौहरी नीति सिंघल, सतना शाखा से प्रांतीय संयोजक जयन्ती एवं त्योहार श्री बलराम गुप्ता, अध्यक्ष विजय गुप्ता, श्रेया ताम्रकार, सोनिया खण्डेलवाल, अनमोल केशरवानी, डॉ. अमित अग्निहोत्री, रीवा शाखा से उपाध्यक्ष अतुल जैन, दीपचन्द्र विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष दलवीर द्विवेदी, संस्कार प्रमुख ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह,डॉ. लोकेश त्रिपाठी, महिला प्रमुख रेखा चित्रांशी, अंजना सूरी, अखिलेश गुप्ता, ज्ञानेन्द्र पाठक, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, गीतू खन्ना, सोनल सूरी, गायत्री सिंह सेंगर, वन्दना पटेल, कौशलेश तिवारी रामू, अनुपमा सिंह, शशि चढ्डा आशीष पाठक, सुनील गुप्ता, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्वर्णकार समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वर्णकार समाज की महत्वपूर्ण बैठक रीवा मे स्वर्ण कला बोर्ड के सदस्य कमल सोनी के अध्यक्षता मे संपन्न हुई बैठक के मुख्य अतिथि स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान के राष्ट्रीय संयोजक इंजी. योगेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में समाज के उत्थान और एकता के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस बैठक राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्यप्रदेश के संगठन प्रभारी के रूप मे एकेएस विश्वविद्यालय सतना के डायरेक्टर अमित सोनी (मन्नू भैया) चुनाव किया गया। रीवा जिला के जिला अध्यक्ष के रूप मे इंजि.अमन सोनी की नियुक्ति सर्व सम्मति से की गई।

बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय संयोजक ने समाज को एक सूत्र और एक धारा में समाहित होने और समाज को विस्तार करने का मार्गदर्शन दिया। समाज के उत्थान के लिए जो अच्छे कार्य हो सकते हैं, उन पर चर्चा हुई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में जिला अध्यक्ष अमन सोनी, राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश के संगठन प्रभारी अमित सोनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वर्ण कला बोर्ड के सदस्य कमल कुमार सोनी, युवा प्रदेश क्षउपाध्यक्ष नितिन सराफ को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ शैलजा सोनी, डॉ विनी सर्राफ, सीमा सोनी, प्रीति सोनी, सरिता सोनी, सौम्या सोनी को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ सरोज सोनी, मध्य प्रदेश के जिला अध्यक्ष डॉक्टर सौरभ सोनी, कार्यक्रम के संयोजक दीपक सोनी, मीडिया प्रभारी प्रभात सोनी, कारीगर मंडल के अध्यक्ष धीरेंद्र सोनी, आशीष सोनी जी, सीताराम जी, अनिरुद्ध सोनी जी, अमरचंद सराफ, संदीप जाड़िया सहित अन्य मौजूद रहे। इस बैठक में लिए गए निर्णय और नियुक्तियों से स्वर्णकार समाज के उत्थान और एकता के लिए नए अवसर और चुनौतियाँ भी जरूर आएंगी पर सभी समाज के सम्मानित जनों में उत्साह और नई ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प लिया गया।

जननी सुरक्षा योजना की लंबित राशि का दो दिवस में भुगतान कराएं - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन जननी सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की लांबित राशि का दो दिन में भुगतान कराएं। जिला अस्पताल में मेंटीनेंस एवं अन्य कार्य विभागीय मद से करें। रोगी कल्याण समिति को प्राप्त राशि तथा व्यय का पूरा विवरण समिति के समक्ष प्रस्तुत करें। जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं से जुड़े कार्य तत्परता से कराएं। निर्माण कार्यों तथा अन्य सामग्री व्यय के संबंध में बैठक में प्रस्ताव के साथ स्टीमेट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। कार्य की उपयोगिता के आधार पर ही उसे स्वीकृति दी जाएगी। बैठक में सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा ने कार्यकारिणी समिति के एजेण्डा प्रस्ताव की जानकारी दी। बैठक में जिला चिकित्सालय के विद्युत सब स्टेशन में मेंटीनेंस कार्य, मुख्य गेट में नए काऊ कैचर के निर्माण जिला अस्पताल भवन में आवश्यक सुधार कार्य तथा जनरेटरों के मेंटीनेंस के कार्य को मंजूरी दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि डीजल के लिए आवश्यक राशि का रोगी कल्याण समिति से भुगतान किया जाए लेकिन नियमित बजट प्राप्त होने पर उसे रोगी कल्याण समिति में वापस किया जाए। बैठक में जिला चिकित्सालय की 48 दुकानों के किराये में 25 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला तथा कार्यकारिणी समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सीधी में मोबाइल के विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई के निजी अंग को काटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी ज़िले के कमर्जी थाना क्षेत्र के ग्राम चिलरी में एक परिवार में मोबाइल को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जहां बड़े भाई ने छोटे भाई के निजी अंग को काट दिया जानकारी के मुताबिक रविवार शाम ,श्यामलाल साहू ने अपने भतीजे को मोबाइल देखने पर डांटते हुए थप्पड़ मार दिया। इस बात से नाराज़ होकर बड़े भाई छठीलाल साहू ने पहले श्यामलाल पर मिट्टी का ढेला फेंका। श्यामलाल के गिरते ही छठीलाल ने उसके निजी अंग को दांतों से काट लिया। पीड़ित की पत्नी रीतू साहू की पुकार पर ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। गंभीर हालत में श्यामलाल को ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चौकी प्रभारी आरपी मांझी ने बताया छठीलाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। वहीं आरोपी घटना के बाद से फरार है।

सीधी में बस ने बाइक को मारी टक्कर, पीडब्ल्यूडी कर्मचारी का टूटा कंधा और

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी ज़िले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम शिकारगंज में सोमवार दोपहर उर्मालिया ट्रांसपोर्ट की बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। [24] बस भंवरसेन पुल से रीवा की ओर जा रही थी। हादसे में पीडब्ल्यूडी कर्मचारी मंगलदीन कुशवाहा निवासी ग्राम चोरगढ़ी गंभीर रूप से घायल हो गए। वे शिकारगंज कार्यालय में कार्यरत हैं, हादसे में उनके कंधे की हड्डी टूट गई है। शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। हादसे के बाद एंबुलेंस के इंतज़ार में घायल करीब आधे घंटे तक सड़क किनारे पड़ा रहा। घटना की सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस नहीं पहुंची तो स्थानीय लोगों ने घायल को ऑटो से रामपुर नैकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां उनका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि बस और चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जुलाई से मार्च तक नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रमों का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केन्द्र प्रवर्तित योजना नेशनल एक्शन प्लान फार ड्रग डिमाण्ड रिडक्शन के तहत एक जुलाई से 31 मार्च तक जिले में नशामुक्त कार्यक्रमों का आयोजन के दायित्व सौंपे हैं। अभियान अन्तर्गत चित्रकला, निबंध लेखन, भाषण, रंगोली, मैराथन, प्रभातफेरी, गुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, रैलियाँ, मानव श्रृंखला बाल पेंटिग सहित जन संवाद कर आमजनों को नशे से दूर रहने और इसके दुष्परिणाम के संबंध में जागरूक किया जायेगा। कलेक्टर ने सभी शैक्षणिक संस्थाओं, जन अभियान परिषद, विभिन्न विभागों, पुलिस विभाग, स्वैच्छिक व सामाजिक संगठनों सहित जनपद एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से नशामुक्त कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिये हैं। उन्होंने विभागीय व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को आयोजन एवं नशामुक्त भारत अभियान एप में जानकारी अपलोड करने की जिम्मेदारी दें तथा एप में फोटोग्राफ व जानकारी अपलोड करायें।

कलेक्टर ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार को जारी किया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला तथा नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ तहसील हुजूर मनोज शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अन्तर्गत अधिसूचित सेवाओं के निराकरण में कोई रूचि न लेने पर जारी किया गया है। अधिकारियों का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 में निहित प्रावधानों के विपरीत है तथा कदाचार की श्रेणी में आता है। नोटिस का तीन दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत न करने पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम में वर्णित प्रावधानों के अनुसार अर्थदण्ड अधिरोपित करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जारी नोटिस के अनुसार सेवा क्रमांक 4.10 (ए) तहसील स्तरीय रिकार्ड रूम के नकल के आवेदन लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से निर्धारित समयावधि में आनलाइन दर्ज कर तहसील कार्यालय में प्रेषित किये जाते हैं। लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित समयावधि में रिकार्ड की नकल लोक सेवा केन्द्रों को प्राप्त नहीं हो रही है। इसके कारण लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओं का लाभ आमजनता को नहीं मिल पा रहा है। तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार द्वारा बिना किसी स्पष्ट कारण के आवेदन पत्रों को खारिज कर दिया जाता है। नकल न मिलने के कारण सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में भी लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। अधिकारियों का यह कृत्य लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता का द्योतक है। जिसके कारण तहसीलदार हुजूर और नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ तहसील हुजूर को नोटिस जारी किया गया है।

भूतपूर्व सैनिकों की रैली 22 जून को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भूतपूर्व सैनिकों की रैली 22 जून को कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित की जायेगी। रैली का उद्देश्य सैनिकों के योगदान का सम्मान करना और उनकी कल्याण संबंधी आवश्यकताओं को बताना है। इस संबंध में कर्नल सुरेन्द्र कुमार ने बताया है कि रैली में कल्याण सहायता पंजीकरण, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, पेंशन संबंधी सहायता और विशिष्ट सेवा को मान्यता देने के लिए औपचारिक कार्यक्रम जैसी गतिविधियाँ शामिल की जायेगीं। रैली में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों के साथ साथ लगभग एक हजार भूतपूर्व सैनिकों के पूरे जिले से शामिल होने की संभावना है।

कमिश्नर कार्यालय में टीएल बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में 17 जून को सुबह 11 बजे से टीएल बैठक आयोजित की गयी है। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ई-आफिस, पेंशन प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन, एटीआर तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति के निर्देश दिये गये।

विचार

बोइंग की कार्यक्षमता पर उठते सवाल!

अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना के बाद भारत सरकार ने इस दुर्घटना की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की है और विमान निर्माण कंपनी बोइंग ने भी सहयोग की पेशकश की है। अन्य विदेशी जांच एजैंसियां भी इस जांच में जुट गई हैं। हवाई जहाज के निर्माण में बोइंग एक रसूखदार कंपनी है। बावजूद इसके बोइंग की कार्यक्षमता पर सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक फिल्म वायरल हो रही है कि बोइंग कंपनी के ही एक इंजीनियर जॉन बार्नेट, जिसने बोइंग की अंदरुनी क्षमताओं पर महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे, उसे 2024 में रहस्यमय परिस्थितियों में बोइंग कंपनी की ही कार पार्किंग में मृत पाया गया। जब किसी विमान दुर्घटना में पायलट भी मारे जाते हैं तो एक आम चलन है कि पावरफुल लॉबी सांठ-गांठ करके जांच का रुख इस तरह मोड़ देती है कि दुर्घटना के लिए पायलट को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। क्योंकि वो अपना पक्ष रखने के लिए अब जीवित नहीं होता। इसलिए जरूरी है कि सभी जांच एजैंसियां इस दुर्घटना की पूरी ईमानदारी से जांच करें। 12 जून 2025 को अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना में जीवित बचे विश्वास कुमार रमेश ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। एयर इंडिया की फ्लाइट ए.आई.-171 के इस दुखद हादसे में 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई और केवल एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश जीवित बचा। यह घटना विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की उन असाधारण कहानियों में से एक है,जो न केवल चमत्कार को दर्शाती हैं बल्कि मानव की जीवटता और भाग्य की अनिश्चितता को भी उजागर करती हैं। विश्वास कुमार रमेश, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक हैं जो भारतीय मूल के हैं। उस दिन सीट नंबर 11 ए पर बैठे थे जो एक आपातकालीन निकास द्वार के पास थी। हादसे के तुरंत बाद विश्वास ने भारतीय मीडिया को बताया कि ''मैं यह नहीं समझ पा रहा कि मैं कैसे बच गया। सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। मैंने सोचा कि मैं भी मर जाऊंगा लेकिन जब मैंने आंखें खोलीं, तो मैंने खुद को जिंदा पाया।'' उन्होंने बताया कि उनकी सीट के पास का हिस्सा जमीन पर गिरा और आपातकालीन निकास द्वार टूट गया था जिसके कारण वे बाहर निकल पाए। विमान का दूसरा हिस्सा इमारत की दीवार से टकराया था, जिसके कारण वहां से निकलना असंभव था। विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की कहानियां बेहद दुर्लभ हैं,लेकिन ये मानव की जीवटता और कभी-कभी भाग्य के खेल को दर्शाती हैं। इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें एकमात्र व्यक्ति ही जीवित बचा। जूलियन कोएपके 17 साल की एक जर्मन लड़की थी जो 1971 में पेरू के अमेजन जंगल में हुई लांसा फ्लाइट 508 की दुर्घटना में एकमात्र जीवित बची थी। विमान 10,000 फीट की ऊंचाई से गिरा और जूलियन अपनी सीट से बंधी हुई जंगल में जा गिरी। गंभीर चोटों के बावजूद वह 11 दिनों तक जंगल में भटकती रही और अंततः मदद मिलने पर बच गई। उसकी कहानी साहस और जीवित रहने की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गई। वेस्ना वुलोविच, एक सर्बियाई फ्लाइट अटैंडैंट थी जो 1972 में जे.ए.टी. फ्लाइट 367 के मध्य हवा में हुए विस्फोट के बाद एकमात्र जिंदा बची थी। वह 33,000 फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद जीवित रही जो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।

उद्देश्य से भटके संयुक्त राष्ट्र संघ को भंग करने की जरूरत

संयुक्त राष्ट्र संघ का मुय औचित्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, और विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना है। इसका गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 में 51 देशों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य था कि भावी युद्धों को रोका वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। आज 193 देश इसके सदस्य हैं। इतने बड़े संगठन का लगता है कि आज कोई देश कहना मानने को तैयार नहीं। सबकी अपनी ढपली अपना राग है। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशबीन बन कर रह गया है। लगभग एक साल आठ माह से इजरायल-हमास युद्ध चल रहा है। अब इजरायल से ईरान पर हमलाकर दिया है।

इजरायल-ईरान युद्ध में बैलिस्टिक मिजाइल प्रयोग हो रही हैं। सवा दो साल से रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नहीं कर पा रहा। उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नहीं कर सकता। को देश उसकी मानने को तैयार नही।युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नहीं तो उसका औचित्य क्या है? दुनिया के देश क्यों इस सफैद हाथी को पाले हैं। क्यों इसका खर्च वहन कर रह हैं।इस भंग क्यों नही कर दिया जाता।

एक साल आठ माह से से हमास-इजरायल युद्ध चल रहा है। लगभग डेढ़ साल पूर्व हमास-इजरायल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास हुए। कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर वीटो पावर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नहीं हो सका। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रस्ताव स्वीकार किया, किंतु इजरायल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रस्ताव होता कि हमास ने इस्राइल पर हमला किया है, वह इजरायल के नुकसान की भारपाई करे। इजरायल के बंदी रिहा करे। ये भी व्यवस्था होती कि भविष्य में हमास ऐसा दुस्साहस न कर सके। सब चाहते हैं कि इस्राइल युद्ध रोके। कोई ये पहल नही कर रहा कि पहले हमास इजरायल के बंदी रिहा करे। इजरायल के हमलों में बच्चों और महिलाओं के मरने की बात हो रही है। मुख्य मामला पीछे चला गया। अब ये सब बात बंद हो गई। साफ हो गया कि इजरायल मानने वाला नही है। हमास के हमले में इजरायल में बच्चों-महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई। उसका कहीं जिक्र नहीं हो रहा। इस तरह का दोहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही। पिछले तीन साल चार माह से रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है। अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन।

रूस-यूक्रेन युद्ध में सीएसआईएस के जून 2025 के अनुमान के अनुसार रूस के लगभग 250,000 सैनिकों की मौत हुई। साढ़े सात लाख गंभीर रूप से घायल हैं। यूक्रेन की और से 21 मई 2025 तक 70,935 यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। सीएसआईएस का जून 2025 अनुमानः कुल 400,000 हताहत (इसमें 60 हजार से एक लाख मारे और 300ङ्क340 हजार घायल हुए)। यूक्रेनी ऑफिशियल आंकड़े के अनुसार 43,000 मारे और 370,000 घायल हुए। यूएनएचसीआर के अनुसार, लगभग 10.6 मिलियन यूक्रेनियन विस्थापित हुए हैं। 3.7 मिलियन देश के अंदर, 6.9 मिलियन विदेश में विस्थापित हुए। यूएन के अनुसार यूक्रेन में लगभग 13,134 नागरिकों की मौत हुई है (2025 तक सत्यापित); 2022ङ्क2024 में मान्यता प्राप्त कुल नागरिक मृत्यु 50,000 तक हो सकती है। उधर इज़राइल-हमास संघर्ष में इजरायल के 831 सैनिक मरे, 5,617 घायल हुए। 924 नागरिक मरे, 14,000 से ज्यादा घायल हुए। हमास/गाज़ा के 20,000 से ज्यादा मिलिटेंट मरे। (सटीक घायलों का डेटा नहीं) 55,000 से ज्यादा गाज़ाई महिलाङ्कबच्चे मरे।

इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र इस युद्ध को नहीं रोक पाया। न रोक पा रहा है। इस युद्ध से दोनों देशों के विकास तो रुका ही। मानव कल्याण के लिए भवन, पुल, स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए। इनके युद्ध के कारण दुनिया के अन्य देशों को होने वाली अनाज की आपूर्ति रुकी है। इससे पूरी दुनिया में मंहगाई बढ़ रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर बड़ा हमला किया। इससे रूस को भारी क्षति हुई। कई आधुनिक लड़ाकू विमान तबाह हुए। उसका जबाव रूस ने भी दिया। जिस तरह से रूस लड रहा है। मित्र देश यूक्रेन को पीदे से मदद कर रहे है, उससे लगता है कि गुस्साकर कभी भी रूस परमाणु हमला कर सकता है। किंतु इसकी किसी को चिंता नहीं। हमास-इजरायल युद्ध के बीच हुती विद्रोहियों ने इजरायल पर मिसाइल से हमले किए। इजरायल समर्थक देशों के मालवाहक जहाजों पर मिसाइल दागीं। इस सब के बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ की नींद नही खुली।

आज संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ देश के हाथों की कठपुतली बन गया है। अन्य देश न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का। संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। पांच वीटो पावर देश उसे अपनी मर्जी से नचा रहे हैं। उनके एकजुट हुए बिना संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ नहीं कर सकता। ये पांचों विटो पावर देश खुद खेमों में बंटे है। ऐसे में सर्व सम्मत प्रस्ताव पास होना एक प्रकार से नामुमकिन हो गया है। म्यांमार में पिछले दिनों सेना का जुल्म देखने को मिला। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पुलबामा कांड के बाद भारत ने पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों पर मिसाइल से हमले किए। पाकिस्तान के जवाब में चार दिन युद्ध चल कर रूका। संयुक्त राष्ट्र संघ इसे रोकने के लिए भी कुछ नहीं कर सका। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान की बरबादी दुनिया ने देखी। पूरा विश्व सब देखता रहा। कोई कुछ नहीं कर सका। आज आतंकवाद पूरे विश्व की बड़ी समस्या है। सब जानते हैं कि कौन देश इसे पाल पोस रहे हैं। इस आंतकवाद के खात्मे के लिए कोई संयुक्त प्रयास नही हो रहे। कभी इस बारे में प्रस्ताव आता है तो पांच विटो पावर दादाओं में से कोई न कोई उस प्रस्ताव को विटो कर देता है।

जिस तरह से इजरायल हमास और ईराक में संघर्ष चल रहा है। अमेरिका इजरायल के पीछे खड़ा है। यूक्रेन के पीछे मित्र राष्ट्र हैं। ऐसे में कभी भी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध का सामना करना पड सकता है।

आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए। इसे उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। ऐसा ढांचा खड़ा किया जाए कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने। मुसीबत में उसके साथ खड़े हो, उसकी रक्षा कर सकें। ऐसा नहीं आपदा के समय सिर्फ तमाशा देखें। सब दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों? उनकी ही पूरी दुनिया पर दादागिरी क्यों? इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ में डिक्टेटरशिप लागू नहीं है जो किसी विशेष का निर्णय फाइनल होगा। किसी निर्णय को रोक सकेगा। आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने, सामूहिक निर्णय पर चलने, सामूहिक विकास का सोचने की सबसे बडी जरूरत है। और एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके। ऐसे संगठन की जरूरत नहीं है जिसमें चार या पांच दादाओं का ही निर्णय चले। पूरी दुनिया निरीह बनी लूटी-पिटी मौन खड़ी रहे।

गैरसरकारी संगठनों को भी अन्नदाता की खुशहाली के लिए निभानी होगी बड़ी भूमिका

केन्द्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देष की खुषहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हांलाकि मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी बिड़म्बना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादन कर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है। इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज ओने पोने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है जो कभी अन्नदाता को रुलाता है तो कभी आमजन को पर कभी भी किसी मण्डी के आड़तियें को रुलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मण्डी में ले जाने तक के खर्च की राषि भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के

हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किये गये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देष में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को फलीभूत कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हांलाकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेन्द्र मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश-विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है और यही कारण है कि प्रमुख मीडिया ग्रुप किसानों से संबंधित जानकारियों का समावेश करते हुए नियतकालीन परिषिष्ठ प्रकाशित कर रहे हैं। डॉ. मधुप जैसे ही खेती किसानी के क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी को भी आगे आना चाहिए और जो तथाकथित किसान हितेशी बने हुए हैं उन्हें भी ऐसे कर्मयोगी किसानों के नवाचारों को प्रमुखता देनी चाहिए।

कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरुरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राषि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद-बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रुप में उपयोग हो सकेगा। कर्ज माफी को इसतरह से समझना होगा कि किसान भी यह समझने लगा है कि चुनाव आने पर कर्ज तो माफ होना ही है ऐसे में कर्ज चुकाना ही क्यों। दूसरा यह कि सरकार की कर्ज माफी का बोझ तो उठाना ही पड़ता है पर फिर भी वह ना तो किसानों को ही संतुष्ट कर पाती है और ना ही यह राशि किसानों के काम आ पाती है। ऐसे में सरकार को ब्याज अनुदान या इस तरह के अनुदान पर होने वाले व्यय को किसानों को इनुपट के रुप में उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे एक तो इनपुट खेती में ही काम आयेगा और इनपुट की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया तो खेती किसानी में उत्पादकता बढेगी और इसका लाभ देषको ही प्राप्त होगा। देश में अन्नधन के भण्डार भरेंगे। आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार के 15 दिवसीय संवाद को अच्छी पहल माना जा सकता है और इस तरह के अभियान खरीफ और रवी दोनों ही फसलों की बुवाई से पहले चलाया जाएं तो निश्चित रुप से देश को लाभ होगा। इसके साथ ही इस तरह के अभियान के दौरान खेती क्षेत्र की अनुदान राशि के एक बड़े हिस्से को इनपुट वितरण के रुप में उपयोग होगा तो यह किसानों के लिए वास्तविक लाभकारी होगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र के नवाचारी किसानों को प्रोत्साहित, सम्मानित और उनके अनुभवों को साझा करने के समन्वित प्रयास किये जाने चाहिए। यहां तक कि कृषक भ्रमण कार्यक्रमों में स्थानीय नवाचारी किसानों के खेत को बतौर प्रयोगशाला भ्रमण कराया जाना चाहिए ताकि एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने के साथ ही नवाचारी किसानों को भी प्रोत्साहन मिल सकेगा।

प्रदेश की पुलिस व्यवस्था को और अधिक जन सुलभ, पारदर्शी और संवादात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

आम जनता एवं पीड़ित की समझ के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्य प्रणाली से उर्दू-फारसी के कठिन शब्दों की जगह उपयोग होगी अब सरल हिंदी-गृहमंत्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश की पुलिस व्यवस्था को और अधिक जन सुलभ, पारदर्शी और संवादात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश के पश्चात अब राज्य की पुलिस कार्यप्रणाली में प्रयुक्त होने वाले कठिन, पारंपरिक एवं आम नागरिकों की समझ से बाहर उर्दू-फारसी शब्दों को हटाकर उनकी जगह पर सहज और प्रचलित हिंदी शब्दों का उपयोग किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आम नागरिक जब किसी शिकायत, अपराध सूचना अथवा अन्य कार्य से थाने जाता है, तो वह अक्सर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर या अन्य दस्तावेजों की भाषा को लेकर असमंजस में रहता है। अन्य भाषाओं के शब्द आम लोगों के लिए अनजाने होते हैं, जिससे वे न तो अपनी बात ठीक से समझा पाते हैं और न ही पूरी प्रक्रिया को ठीक से समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस का उद्देश्य नागरिकों की सहायता और सुरक्षा है, तो उसकी भाषा भी ऐसी होनी चाहिए जो नागरिकों की समझ में आए और उनके विश्वास को बढ़ाए। उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि पुलिस की व्यवहारिक कार्यवाहियों में प्रयुक्त कठिन, पारंपरिक शब्दों को सरल और स्पष्ट हिंदी में बदला जाए। इसके लिए एक शब्द सूची भी तैयार की गई है, जिसमें पुराने कठिन शब्दों के स्थान पर उपयोग किए जाने योग्य सरल विकल्प सुझाए गए हैं।

इस पत्र में यह भी निर्देशित किया गया है कि सभी अधीनस्थ अधिकारियों को इस विषय में अवगत कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि यह आदेश केवल औपचारिकता भर न रहे, बल्कि इसका वास्तविक कार्यान्वियन प्रदेश की प्रत्येक पुलिस चौकी, थाने और कार्यालय में दिखे। छत्तीसगढ़ पुलिस अब केवल कानून का पालन कराने वाली संस्था न होकर जनसंवाद का माध्यम भी बनेगी। भाषा के इस सरलीकरण से शिकायतकर्ता को अपनी बात स्पष्ट रूप से कहने, सुनने और समझने में सुविधा होगी। एफआईआर जैसी प्रक्रिया, जो अब तक केवल अधिवक्ताओं या पुलिस कर्मियों की समझ में आती थी, वह अब आम नागरिक के लिए भी बोधगम्य हो सकेगी।

अब उर्दू-फारसी की जगह पर इन शब्दों का होगा उपयोग

1.अदम तामील-सूचित न होना, 2. इन्द्राज-टंकन 3खयानत-हड़पना,4. गोश्वारा-नक्शा, 5.दीगर-दूसरा, 6.नकबजनी-सेंध 7.माल मशरूका लूटी-चोरी गई सम्पत्ति, 8.मुचलका-व्यक्तिगत बंध पत्र 9.रोजनामचा-सामान्य दैनिकी 10.शिनाख्त-पहचान 11.शहादत-साक्ष्य, 12.शुमार-गणना,13.सजायाफ्ता-दंड प्राप्त, 14.सरगना-मुखिया, 15.सुराग-खोज, 16.साजिश-षड्यंत्र, 17.अदालत दिवानी-सिविल न्यायालय, 19.फौजदारी अदालत-दांडिक न्यायालय, 20.इकरारनामा-प्रतिज्ञापन, 21.बनाम विक्रय -पत्रक, 22.इस्तीफा-त्यागपत्र, 23.कत्ल-हत्या, 24.कयास-अनुमान, 25.खसरा क्षेत्र-पंजी, 26.खतौनी-पंजी, 27.गुजारिश-निवेदन, 28.जब्त-कब्जे में लेना, 29.जमानतदार-प्रतिभूति दाता, 30.जमानत-प्रतिभूति, 31.जरायम-अपराध, 32.जबरन-बलपूर्वक, 33.जरायम पेशा-अपराध जीवी, 34.जायदाद मशरूका-कुर्क हुई संपत्ति, 35.दाखिल खारिज-नामांतरण, 36.सूद-ब्याज,37.हुजूर-श्रीमान/महोदय, 38.हुलिया-शारीरिक लक्षण, 39.हर्जाना क्षति-प्रतिपूर्ति, 40.हलफनामा-शपथ-पत्र, 41.दफा-धारा, 42.फरियादी-शिकायतकर्ता, 43.मुत्तजर्रर-चोट, 44.इत्तिला नामा-सूचना पत्र, 45.कलमबंद करना-न्यायालय के समक्ष कथन, 46.गैरहाजिरी-अनुपस्थिति, 47.चस्पा-चिपकाना, 48.चश्मदीद-प्रत्यक्षदर्शी, 49.जालसाजी-कूटरचना, 50.जिला बदर -निर्वासन, 51.जामा तलाशी-वस्त्रों की तलाशी, 52.वारदात-घटना, 53.साकिन-पता, 54.जाय तैनाती-नियुक्ति स्थान, 55.हाजा स्थान-परिसर, 56.मातहत-अधीनस्थ, 57.जेल हिरासत-कब्जे में लेना, 58.फौती-मृत्यु सूचना, 59.इस्तगासा-छावा, 60.मालफड-जुआ का माल मौके पर बरामद होना, 61.अर्दली-हलकारा, 62.किल्लत मुलाजमान-कर्मगण की कमी, 63.तामील कुनन्दा-सूचना करने वाला, 64.इमदाद-मदद, 65.नजूल-राज भूमि, 66.फरार-भागा हुआ, 67.फिसदी-प्रतिशत, 68.फेहरिस्त-सूची, 69.फौत-मृत्यु, 70.बयान-कथन, 71.बेदखली-निष्कासन, 72.मातहत-अधीन, 73.मार्फत-द्वारा, 74.मियाद-अवधी, 75.रकबा-क्षेत्रफल, 76.काश्तकार-कृषक, 77.नाजिर-व्यवस्थापक, 78.अमीन राजस्व-कनिष्ठ अधिकारी, 79.राजीनामा-समझौता पत्र, 80.वारदात-घटना, 81.संगीन-गंम्भीर, 82.विरासत-उत्तराधिकार, 83.वसीयत-हस्तान्तरण लेख, 84.वसूली-उगाही, 85.शिनाख्त-पहचान, 86.सबूत साक्ष्य-प्रमाण, 87.दस्तावेज-अभिलेख, 88.कयास-अनुमान, 89.सजा-दण्ड, 90.सनद-प्रमाण पत्र, 91.सुलहनामा-समझौता पत्र, 92.अदम चौक-पुलिस असंज्ञेय हस्ताक्षेप, अगोग्य अपराध की सूचना 93.कैदखाना-बंदीगृह, 94तफतीश/तहकीकात-अनुसंधान/जाँच/विवेचना,95आमद/रवाना/रवानगी-आगमन, प्रस्थान, 96.कायमी-पंजीयन, 97.तहरीर-लिखित या लेखीय विवरण, 98.इरादतन-साशय,99.खारिज/खारिज/रद्द-निरस्त/निरस्तीकरण, 100.खून आलूदा-रक्तरंजित/रक्त से सना हुआ 101.गवाह/गवाहन-साक्षी/साक्षी गण, 102.गिरफ्तार/हिरासत-अभिरक्षा, 103.तहत-अंतर्गत, 104.जख्त, जख्मी, मजरूब-चोट/घाव घायल/आहत, 105.दस्तयाब-खोज लेना/बरामद, 106.मौका ए वारदात-घटना स्थल, 107.परवाना-परिपत्र/अधिपत्र, 108.फैसला-निर्णय, 109. हमराह-साथ में।

नए शैक्षिक सत्र के पहले दिन जिला शिक्षा अधिकारी का सघन निरीक्षण अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुआ, वैसे ही जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने शालाओं में सघन निरीक्षण कर अपनी सक्रियता और सजगता का परिचय दिया। उन्होंने शासकीय हाई स्कूल पिपरिया, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरिया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय शासकीय बेलबहरा, शाला जामपारा (बरबसपुर), पूर्व माध्यमिक विद्यालय कमलडाड़, शासकीय प्राथमिक शाला डोमनापारा एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय डोमनापारा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025 की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रवेश उत्सव को उत्साह और रचनात्मकता के साथ मनाया जाए। उन्होंने नए विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करने के लिए स्कैनिंग प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही। विद्यालय परिसर की स्वच्छता, शिक्षकों की समय पर उपस्थिति और कक्षा संचालन की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र को शिक्षा से वंचित न रहने दिया जाए और शिक्षकों की ओर से शिक्षा के प्रति किसी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र पांडे एवं संकुल प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल पिपरिया एवं डॉ. विनोद पांडेय भी उपस्थित रहे और पूरे निरीक्षण कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी के साथ समन्वय बनाते हुए सक्रिय भूमिका निभाई।

श्याम बाई की बदली तक़दीर जल जीवन मिशन ने दी आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल जिले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड मनेंद्रगढ़ स्थित ग्राम पंचायत पाराडोल की एक साधारण गृहिणी श्याम बाई की कहानी अब बदलाव, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता की मिसाल बन चुकी है। कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने वाली श्याम बाई आज पूरे गांव में प्रेरणा का प्रतीक बन गई हैं।

श्याम बाई को पानी के लिए रोज़ाना "एक किलोमीटर का संघर्ष करना पड़ता था"

वर्षों से जल संकट की मार झेलते हुए श्याम बाई न केवल अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं, बल्कि सुबह-सवेरे एक किलोमीटर दूर से पानी ढोना उनकी दिनचर्या बन गई थी। गर्मियों में कुएं सूख जाते थे, सार्वजनिक नल काफी दूर होते थे और हर दिन का अधिकांश समय केवल पानी लाने में ही चला जाता था। इस कारण न वे अपने बच्चों को समय दे पाती थीं और न ही खुद की सेहत पर ध्यान दे पाना संभव था।

जब उम्मीदों को मिला सहारा, गांव आया जल जीवन मिशन

श्याम बाई का जीवन तब बदला जब केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "जल जीवन मिशन" का प्रभावशाली क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मेहनत, ग्राम पंचायत की सक्रिय भूमिका और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ग्राम पाराडोल में घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाए गए। अब हर घर में स्वच्छ, सुरक्षित और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी मिल रहा है।

पानी से बढ़ा श्याम बाई का आत्मविश्वास, बना आजीविका का साधन

इस बदलाव ने न केवल श्याम बाई को राहत दी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर किया। पानी की चिंता मिटते ही श्याम बाई ने अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए गांव की महिलाओं के साथ मिलकर एक स्व-सहायता समूह बनाया, जिसमें वे अचार, पापड़ और अन्य घरेलू उत्पाद बनाकर स्थानीय हाट-बाजार में बेच रही हैं। इससे उनकी आय बढ़ी है, आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब अपने परिवार की आय में भागीदार बन गई हैं।

गांव में जल जीवन मिशन लागू होने के बाद वहां की पूरी तस्वीर बदल गई है। अब बच्चों को स्कूल जाते वक्त साफ पानी मिलता है, जल जनित बीमारियां घट गई हैं और महिलाओं का समय बच रहा है। महिलाएं अब सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में भी सशक्त भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को दिल से धन्यवाद

श्याम बाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस योजना के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, यह केवल पानी नहीं है, यह सम्मान, आत्मविश्वास और अवसरों की सौगात है। पहले हम पानी के लिए दूर जाते थे, अब पानी हमारे घर आता है और हम गरिमा के साथ जीते हैं।

शक्ति की प्रतीक बनीं श्याम बाई हर महिला के लिए एक संदेश

श्याम बाई की यह प्रेरक कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक ईमानदारी से पहुंचती हैं, तो वे न केवल जीवनशैली बदलती हैं बल्कि समाज की तस्वीर भी संवारती हैं। जल जीवन मिशन महज एक योजना नहीं, बल्कि यह करोड़ों परिवारों के जीवन में खुशहाली और स्वाभिमान की एक नई सुबह है। श्याम बाई आज केवल एक नाम नहीं, बल्कि वे उन करोड़ों महिलाओं की आवाज बन चुकी हैं, जो वर्षों से जल संकट का सामना कर रही थीं। उनकी कहानी बताती है कि जब सरकार, समाज और तकनीक एक दिशा में काम करते हैं, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह जाता।

विकासखंड भरतपुर में उल्लास पूर्वक मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

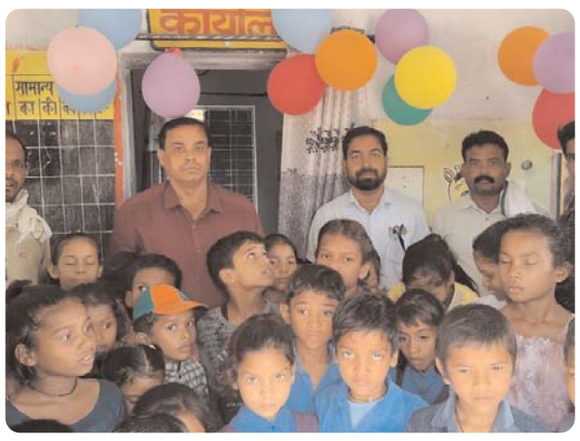

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के शुभारंभ पर विकासखंड भरतपुर की समस्त शालाओं में जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा एवं भरतपुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मो. इस्माइल खान के निर्देशन में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में संकुल केंद्र बहरासी अंतर्गत प्राथमिक शाला बहरासी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत बहरासी के सरपंच चंद्रभान बैगा, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष बीरभान बैगा, संकुल प्राचार्य सच्चिदानंद साहू, वरिष्ठ व्याख्याता श्री वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, आनंद प्रकाश टोप्पो एवं राजेश प्रसाद तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी बच्चों के स्वागत से हुई, जहां उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया एवं छात्राओं तथा अतिथियों के साथ मां सरस्वती के छायाचित्र पर धूप-दीप प्रज्वलित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

इसके पश्चात नवप्रवेशी छात्रों को रोली-चंदन लगाकर मुंह मीठा कराया गया तथा संस्था प्रमुख द्वारा उन्हें कॉपी, पेन, पेंसिल एवं रबर वितरित किए गए। आयोजन के अंतर्गत छात्र-छात्राओं, पालकों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें चावल, दाल, पूड़ी, सब्जी एवं सेवई का स्वादिष्ट भोजन परोसा गया। इस अवसर पर संकुल शैक्षिक समन्वयक रामनिवास चतुर्वेदी, राजकुमार गुप्ता, प्रधान पाठिका श्रीमती रईसा बी, शिक्षिका श्रीमती सीमा रजक एवं बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे।

शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक की लापरवाही की वजह से 32 खिलाड़ियों का हुआ साल बर्बाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राजस्थान के झुंझुनू में 14 से 17 जून तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा बेसबॉल की महिला पुरुष टीम रीवा से रवाना होकर दिल्ली तक पहुंची उसके बाद विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक द्वारा खिलाड़ियों को वापस बुला लिया गया खिलाड़ियों को उनके दस्तावेज नहीं दिए गए खिलाड़ी अपना पैसा लगाकर जनरल में सफर कर दिल्ली तक पहुंचे थे उसके बाद संचालक प्रो. राम भूषण मिश्रा जी ने खिलाड़ियों से कहा कि उनकी टीम नहीं जाएगी जबकि खिलाड़ियों द्वारा 31 मई को संचालक महोदय को इस प्रतियोगिता से अवगत कराया गया था उसके बावजूद संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग ने जानबूझकर देरी करते हुए टीम को प्रतियोगिता में शामिल करने के लिए 10 जून को प्रक्रिया आगे बढ़ाई जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया में देरी होने से टीम को पैसा नहीं मिल पाया विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा टीम ना भेज कर 32 खिलाड़ियों का भविष्य और साल दोनों बर्बाद हुआ है इसका जिम्मेदार कौन होगा क्या विश्वविद्यालय प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेगा

मृत्युंजय मिश्रा का सैनिक स्कूल में चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भाजपा नेता राहुल मिश्रा सहित कई बड़ी हस्ती व जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई सस ज्ञातव्य है कि सैनिक स्कूल रीवा की परीक्षा में मृत्युंजय मिश्रा ने परीक्षा पास करते हुए चयनित होकर के रीवा के गौरव को बढ़ाया है बताया जाता है कि श्री मृत्युंजय मिश्रा संस्कृत के प्रकांड विद्वान डिलीट रह चुके और प्रोफेसर रह चुके टीआरएस कॉलेज में स्वर्गीय डॉ श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा जी के पंक्ति हैं जिन्होंने बिना में उनके नाम को रोशन किया है जानकारी के अनुसार मृत्युंजय मिश्रा ने छठवीं क्लास के लिए सैनिक स्कूल में चयन प्राप्त किया है जो की डॉक्टर मिलिंद मिश्रा प्राध्यापक सिमरिया के पुत्र हैं।

जिले की खड़गवां एवं मनेंद्रगढ़ की ग्राम पंचायत को मिला नए विकास कार्य, 12 निर्माण कार्यों को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा 13 जून 2025 को जारी आदेश के अनुसार राज्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के लिए कुल 101,20 (एक सौ एक लाख बीस हजार रुपये मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 12 निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना को सुदृढ़ करते हुए सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ये स्वीकृतियां मुख्यमंत्री सचिवालय, प्राधिकरण प्रकोष्ठ, महानदी भवन, नया रायपुर और विकास भवन, अटल नगर रायपुर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के आधार पर दी गई हैं। प्रत्येक कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सभी तकनीकी स्वीकृतियां भी पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं।

जिसमे विकासखंड खड़गवां के विधानसभा क्षेत्र मनेंद्रगढ़ की ग्राम ठगांव में रोड निर्माण कार्य हुहाईपारा मेन सड़क से धरमपाल धर तक के लिए 4.80 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है। ग्राम पंचायत दुबछोला में सी.सी. रोड निर्माण सोमार सिंह घर से अमोल सिंह घर तक के लिए 4.80 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है। ग्राम बेलबहरा में सी.सी. रोड निर्माण हरिजन पारा से सोमारु घर तक के लिए 4.80 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है। ग्राम पंचायत कदरेवा में सी.सी. रोड निर्माण तालाब से प्रेम घर तक के लिए 4.80 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत सकडा में लालपुर चौक के पास मंच निर्माण के लिए 2.20 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत मेंड्रा में सी.सी. रोड निर्माण अगरियापारा से राजभजन घर पहुंच मार्ग के लिए 4.80 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत रतनपुर में सी.सी. रोड निर्माण रामकिशुन घर से इन्द्रपाल की कुआं तक लिए 15 लाख एवं सी.सी. रोड निर्माण मोहन घर से आंजन नाला तक के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत किए गए है। ग्राम पंचायत कौड़ीमार में सी.सी. रोड निर्माण कौड़ीमार मुख्य मार्ग से देवगुड़ी पण्डोपारा पहुंच मार्ग तक के लिए 10 लाख रुपए एवं आरसीसी पुलिया निर्माण सिहारडाड अंबेडकर पारा शिवकुमार खेत के पास तक 15 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत बंजी में आरसीसी पुलिया निर्माण जोगी डोगरी के पास के लिए 15 लाख एवं आरसीसी पुलिया निर्माण बोदरापारा रोड़ मौहारी के पास के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है।

प्रशासकीय स्वीकृति के साथ कुछ विशेष शर्तें निर्धारित की गई हैं जिनमें यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि सभी कार्य ग्रामीण अथवा नगर पंचायत क्षेत्र में होना अनिवार्य है। संबंधित एजेंसी सक्षम अधिकारी से भूमि आवंटन आदेश प्राप्त होने के उपरांत ही नियमानुसार कार्य प्रारंभ करेंगे। बिना आवंटन आदेश के कार्य प्रारंभ करने की दशा में एजेंसी स्वत जिम्मेदार होगा। उक्त स्वीकृति कार्यों के संबंध में कार्य एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि यह किसी योजना में शामिल नहीं होना चाहिए, अन्य योजना में स्वीकृत होने की स्थिति में यह प्रशासकीय स्वीकृति स्वमेव निरस्त माना जाएगा। अस्वीकृति कार्य तकनीकी स्वीकृति उपरांत ही प्रारंभ किया जावे।

कार्य एजेंसी यह सुनिश्चित करे कि इस योजना के तहत स्वीकृत राशि का पृथक लेखा संधारित करना आवश्यक होगा। समस्त कार्य एजेंसी छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम को एवं संबंधित विभाग के कार्य नियमावली का पालन करते हुए निर्माण कार्य संपन्न कराए जाएंगे। वही कार्य निर्धारित प्राक्कलन एवं मापदंड के अनुसार कराए जाएंगे। यदि किसी कार्य के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता या गुणवत्ताहीन की शिकायत पाई जाती है तो तो कार्य की पूरी लागत राशि क्रियान्वयन एजेंसी से भू-राजस्व की भांति वसूल की जाएगी। वहीं प्रशासकीय स्वीकृति इस शर्त पर दी गई है कि स्वीकृत कार्यों का रखरखाव और मरम्मत आगामी पांच वर्षों तक कार्य एजेंसी द्वारा ही किया जाएगा। कोई भी निर्माण कार्य वन भूमि या विवादित निजी भूमि पर नहीं किया जाएगा और यदि निर्माण स्थल वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अंतर्गत आता हो तो जिला स्तरीय समिति से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। भुगतान से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किए गए कार्य स्वीकृत प्राक्कलन एवं अनुबंध के अनुरूप मात्रा व दरों के अनुसार ही हैं और माप का विधिवत सत्यापन किया गया है। किसी भी प्रतिबंधित मद में भुगतान नहीं किया जाएगा। कार्यस्थल पर निरीक्षण पंजी, श्रमिकों की उपस्थिति पंजी, प्राथमिक उपचार किट, छोटे बच्चों के लिए दवाई की व्यवस्था तथा विस्तृत कार्य विवरण रखना अनिवार्य होगा। स्वीकृति राशि से अधिक व्यय की स्वीकृति नहीं दी जाएगी तथा ऐसा व्यय कार्य एजेंसी की जिम्मेदारी मानी जाएगी। मजदूरी भुगतान न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के अनुरूप किया जाना अनिवार्य है। कार्य प्रारंभ से पूर्व लेआउट के समय तथा कार्य पूर्ण होने पर स्थल के फोटो लेना और प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा ताकि कार्य की सफलता की कहानी तैयार की जा सके। कार्य पूर्ण होने के उपरांत परिसंपत्ति पंजी में प्रविष्टि तथा पूर्णता प्रमाण पत्र के साथ निरीक्षण विवरण प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। कार्य में प्रयुक्त खनिज की रॉयल्टी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में जमा करना होगा और अंतिम किस्त का भुगतान रॉयल्टी चुकता प्रमाण पत्र के सत्यापन के पश्चात ही किया जाएगा।

समस्त कार्यों में प्राधिकरण निधि नियम 2024 का पालन अनिवार्य रूप से किया जाना होगा। अंततः कार्य प्रारंभ से पूर्व और कार्य पूर्ण होने के उपरांत स्थल के दो-दो फोटोग्राफ, पूर्णता एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र, निरीक्षण प्रतिवेदन, माप पुस्तिका तथा बचत राशि सहित समस्त दस्तावेज जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करना होगा।

एअर इंडिया का विमान हॉन्गकॉन्ग लौटा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। हॉन्गकॉन्ग से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट (नंबर एआई 315) सोमवार को वापस लौट गई। इसमें तकनीकी खराबी की बात सामने आई है। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की थी। वहीं, रविवार को भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन भी बीच रास्ते से लौट गए थे। इनमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके चलते प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा। अहमदाबाद में 12 जून बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दो मिनट में क्रैश हो गया था। इसमें पायलट-क्रू समेत 242 लोगों में से 241 की जान चली गई थी। हादसे में सिर्फ एक पैंसेजर बचा। लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए 35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। ब्रिटिश एयरवेज ने फ्लाइट का टेकऑफ टाइम, पैसेंजर और क्रू की संख्या और लैंडिंग से पहले विमान के हवा में रहने का समय नहीं बताया है।

कोरोना से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा मौतें

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, रविवार को 11 मरीजों ने जान गंवाई। केरल में 7 और दिल्ली, छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र में 1-1 मौत हुई है। शनिवार को 10 मौतें हुई थीं। कोविड के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में 7264 एक्टिव मरीज हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1920 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1433 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला है, जबकि 119 मरीज रिकवर हुए हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को बच्चे को जन्म देने के एक दिन बाद महिला (27 साल) की कोविड से मौत हो गई। कोरोना के नए वैरिएंट से जनवरी 2025 से अब तक 108 मौतें हुई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- हमने कोरोना से निपटने के लिए जरूरी इंतजाम कर लिए हैं।

पहलगाम हमले पर टीएमसी के सरकार से 5 सवाल, हमले का जिम्मेदार कौन, आतंकी मारे गए या नहीं

कोलकाता ,(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले पर मोदी सरकार से 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा- हमले को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन सरकार ने बॉर्डर सेफ्टी, इंटेलिजेंस , विदेश नीति, मीडिया और ज्यूडिशियरी के सवालों पर जवाब नहीं दिया।

साइप्रस ने पीएम मोदी को सर्वोच्च समान से नवाजा

निकोसिया ,(एजेंसी)। साइप्रस ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस आईआईआई से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे। मोदी ने कहा, मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है। इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच

बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब पीएम जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो गए हैं। मोदी ने राष्ट्रपति क्रिस्टोडुलाइड्स को कश्मीरी रेशमी कालीन भेंट की। यह गहरे लाल रंग में है, जिसमें भूरे और लाल किनारे हैं। पारंपरिक बेल-बूटों और ज्यामितीय आकृतियों की कलाकारी है। इसमें दोहरे रंग का खास प्रभाव है, जो देखने के कोण और रोशनी के अनुसार रंग बदलता लगता है। मानो एक कालीन में दो अलग-अलग डिजाइन हों। पीएम ने साइप्रस की प्रथम महिला फिलिपा कारसेरा को एक सिल्वर कोटेट पर्स दिया। इसे आंध्र प्रदेश के कारीगरों ने बनाया है। इस पर मंदिरों और शाही कला से प्रेरित बारीक पुष्प डिजाइन उकेरे गए हैं।

हरियाणवी मॉडल की गला रेतकर हत्या

पानीपत/सोनीपत। मशहूर हरियाणवी मॉडल शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इसके बाद लाश को नहर में फेंक दिया गया। वह 2 दिन पहले पानीपत स्थित अपने घर से एल्बम की शूटिंग के लिए निकली थी। सोमवार सुबह शीतल की लाश सोनीपत में खरखौदा की रिलायंस नहर से मिली। हाथ और छाती पर बने टैटू से शीतल की पहचान हुई। शीतल की बहन नेहा ने कहा कि शनिवार (14 जून) को उसने वीडियो कॉल की थी। जिसमें शीतल ने कहा कि उसका बॉयफ्रेंड उसे पीट रहा है।

मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री, यूपी में बिजली गिरने से 48 घंटे में 34 की मौत, बरेली में हाई-वे डूबा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में एंट्री कर ली है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। पिछली बार यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है। राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के 11 जिलों और महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी बारिश का ऑरेंज-रेड अलर्ट है। यूपी में भी बारिश का दौर शुरू हो गया है। आज 62 जिलों में अलर्ट है। राज्य में पिछले 48 घंटे में बिजली गिरने की

घटनाओं में 34 लोगों की जान गई है। बरेली में भारी बारिश से हाईवे डूब गया है। केरल में बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए मलप्पुरम, कन्नूर, कासरगोड, वायनाड और त्रिशूर में सोमवार को स्कूल कॉलेज में छुट्टी की गई है। कर्नाटक में भी बारिश का रेड अलर्ट है।

विजय रूपाणी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

अहमदाबाद ,(एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी को सोमवार शाम 21 बंदूकों की सलामी दी गई। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री-राज्यपाल समेत दूसरे नेता रूपाणी के घर पहुंचें और श्रृद्धांजलि दी। रूपाणी का पार्थिव शरीर उनके राजकोट वाले घर प्रकाश सोसाइटी (निर्मला रोड) में रखा गया है। जहां अंतिम दर्शन किए जा रहे हैं। कुछ देर बाद पार्थिव देह को रामनाथ परा श्मशान घाट ले जाया जाएगा, जहां अंतिम

संस्कार किया जाएगा। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हुआ था। सोमवार सुबह उनका शव परिजनों को सौंपा गया। चार्टर्ड प्लेन से शव को राजकोट लाया गया था।

हरियाणा को मिलेंगे दो नए ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर

चंडीगढ ,(एजेंसी)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि डिजीटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है, क्योंकि यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड़ जाएंगें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिवहन क्षेत्र को डिजीटलीकरण के सहारे आगे बढ़ाया जा रहा है। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विज ने कहा कि सडक दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा में

फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। विज यहां चंडीगढ़ में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र में केंद्रीय मंत्रालय सहित 12 राज्यों के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय व एनआईसी सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

परमाणु जंग की तैयारी में ईरान

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। दोनों देशों के बीच चौथे दिन भी मिसाइल और हवाई हमलों का दौर जारी है। इसी बीच, ईरान की ओर से एक ऐसा कदम उठाया जा रहा है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंता और तनाव को और बढ़ा दिया है। ईरान अब परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की तैयारी कर रहा है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई हमने ने सोमवार को घोषणा की कि ईरानी संसद जल्द ही एनपीटी से हटने के लिए एक विधेयक लाने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान सामूहिक विनाश के हथियारों के खिलाफ है और उनका देश परमाणु हथियार बनाने का पक्षधर नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह साफ किया कि ईरान न्यूक्लियर एनर्जी और अनुसंधान के अपने अधिकार का पालन करता रहेगा। इससे पहले राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी कहा था कि ईरान का इरादा परमाणु हथियार विकसित करने का नहीं है, लेकिन न्यूक्लियर तकनीक और शोध में वह पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने देश के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस फतवे को दोहराया जिसमें परमाणु हथियारों के निर्माण को इस्लाम के खिलाफ बताया गया था। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब इजरायल ने उसके कई सैन्य अड्डों के साथ-साथ परमाणु स्थलों पर भी हमले शुरू कर दिए हैं।

लुधियाना में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत

लुधियाना ,(एजेंसी)। लुधियाना में 19 जून को होने वाले उपचुनाव से पहले एक सामाजिक कार्यकर्ता, किमती रावल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर धमकी देने का आरोप लगाया है। किमती ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की कि केजरीवाल ने लुधियाना पश्चिम सीट पर आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा का प्रचार करते हुए लोगों से कहा था कि अगर उन्होंने आप को वोट नहीं दिया, तो उनके क्षेत्र का विकास नहीं किया जाएगा। किमती के मुताबिक लुधियाना में कई प्रचार रैलियों के दौरान केजरीवाल ने बार-बार कहा, केवल उसी पार्टी का विधायक चुनें जो सत्ता में है। ऐसे ही एक भाषण में केजरीवाल ने एक मतदाता के साथ अपनी बातचीत साझा की। मैंने एक आदमी से पूछा कि वह किसे वोट देगा, तो उसने कहा आशु (कांग्रेस)। मैंने उससे पूछा क्यों, तो उसने कहा कि वह पुराना कांग्रेस समर्थक है। फिर मैंने उससे कहा कि अगर उसके घर के बाहर सड़क टूट जाए या पानी की आपूर्ति बंद हो जाए, तो उसे कौन ठीक करेगा? आशु मदद नहीं कर पाएगा क्योंकि वह विपक्ष का है और सरकार आप की है। उसके पास न तो कोई शक्ति है और न ही कोई धन। इसलिए, अगर आप अपनी समस्याओं का समाधान चाहते हैं, तो आप को वोट दें।

टायर फटने के बाद पिकअप पलटी, 5 की मौत

सारण ,(एजेंसी)। सारण में सोमवार की सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और एक बच्चा है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। दोनों को पटना रेफर किया गया है। हादसा छपरा-हाजीपुर एनएच-19 पर हुआ। नयागांव थाना क्षेत्र के बाजितपुर फोरलेन पर पिकअप वैन पलट गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की स्पीड ज्यादा थी। बाजितपुर के पास अचानक पिकअप का एक चक्का ब्लास्ट कर गया, जिससे गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। सभी लोग दिघवारा से मक्का लोड कर हाजीपुर उसे भुनवाने जा रहे थे। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है।

जनगणना का नोटिफिकेशन जारी, पहला फेज अक्टूबर-2026 से चार राज्यों में, बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दी है। केंद्र सरकार दो फेज में जातीय कराएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बता रही भाजपा

कोलकाता ,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह अपनी सरकार वाले राज्यों में बांग्ला भाषी नागरिकों को निशाना बना रही है और यहां तक कि वैध दस्तावेज धारकों को भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बता रही है। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उस समय हंगामा शुरू हो गया, जब मुख्यमंत्री ने भाजपा-शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ पार्टी द्वारा दमनात्मक कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

ममता बनर्जी ने कहा, ''आपको शर्म आनी चाहिए कि आप वास्तविक भारतीय नागरिकों को सिर्फ उनकी भाषा के आधार पर बांग्लादेशी बता रहे हैं। बांग्ला के साथ-साथ गुजराती, मराठी और हिंदी में बोलने में भी गर्व महसूस होना चाहिए।

ईडी के निशाने पर रॉबर्ट वाड्रा फिर से भेजा समन, 17 जून को किया गया तलब

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में आ गए हैं। ईडी ने उन्हें 17 जून को पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में पेश होने का नोटिस भेजा है। यह कार्रवाई लंबे समय से चर्चा में रहे हथियार डीलर संजय भंडारी से कथित संबंधों और लंदन स्थित एक विवादित प्रॉपर्टी के सिलसिले में की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, वाड्रा को इससे पहले 10 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे उस दिन उपस्थित नहीं हो सके थे। उन्होंने नई तारीख की मांग की, जिसे ईडी ने स्वीकार

करते हुए अब 17 जून की तारीख तय की है।

इस बार जांच एजेंसी की पूछताछ का फोकस लंदन की एक संपत्ति और उसमें वाड्रा की भूमिका पर रहेगा। ईडी को शक है कि लंदन स्थित जिस प्रॉपर्टी की जांच हो रही है, उसका संबंध संजय भंडारी और रॉबर्ट वाड्रा के बीच हुए कथित लेन-देन से है। एजेंसियों का आरोप है कि इस संपत्ति की खरीद में रिश्वत के पैसे का उपयोग हुआ और राजनीतिक रसूख का दुरुपयोग किया गया। ईडी के पास ऐसे दस्तावेज हैं जो वाड्रा से जुड़ी कंपनियों और उनके कर्मचारियों के संजय भंडारी से संपर्कों की पुष्टि करते हैं। इसके अलावा, कुछ संदिग्ध वित्तीय लेनदेन भी जांच के दायरे में हैं, जिनका संबंध कथित रूप से रक्षा सौदों और अवैध पैसों से जोड़ा जा रहा है। इस केस की शुरुआत सीबीआई की एफआईआर से हुई थी, जो स्विस कंपनी पिलाटस एयरक्राफ्ट से जुड़े सौदों की जांच कर रही थी। इसके बाद ईडी ने इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया।

अमरोहा की पटाखा फैक्ट्री में धमाका...4 महिलाओं के चीथड़े उड़े

अमरोह ,(एजेंसी)। अमरोहा में एक पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर 12.30 बजे भीषण ब्लास्ट हो गया। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहीं 4 महिलाओं की मौत हो गई है। मृतकों में एक महिला की नौकरी का आज पहला दिन था। हादसे में 9 घायल हुए। इनमें 4 की हालत नाजुक है, उन्हें मेरठ रेफर कर दिया गया है। 5 घायलों का अमरोहा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें घायल लड़कियां पगडंडी पर बैठीं तड़पते नजर आईं। उनके चेहरे और शरीर झुलसे थे। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की इमारत और टीनशेड पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। महिलाओं के शव इस कदर जल गए कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। धमाके के बाद शव इधर-उधर बिखर गए। शवों का इकट्ठा करके फैक्ट्री के बाहर टीन पर रख दिया और उसे गत्ते से ढक दिया। अतरासी गांव से 2 किमी दूर जंगल में फैक्ट्री पटाखा फैक्ट्री अतरासी गांव से

2 किमी दूर जंगल के बीच में थी। फैक्ट्री में सुबह करीब 25 महिला और पुरुष काम कर रहे थे।

इसी दौरान किसी मजदूर के बच्चे ने फुलझड़ी जला दी। इसके बाद पास में रखे पटाखे और बारूद में आग लग गई। धमाके इतनी तेजी से हुए कि अंदर काम कर रहे लोगों को बाहर निकलने तक का वक्त नहीं मिला। करीब 15 मिनट तक ब्लास्ट होते रहे। धमाके के बाद फैक्ट्री का मलबा 300 मीटर दूर तक फैल गया।

धमाके की आवाज और धुआं उठता देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचीं। डीएम निधि गुप्ता और एसपी अमित कुमार आनंद मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- पटाखा फैक्ट्री की दीवारें टूट गई थी स्थानीय निवासी समीर ने बताया- मैं दोपहर में घर पर बैठा था। बहुत तेज आवाज सुनाई दी। घर से बाहर निकल कर देखा तो हर तरफ काला काला धुआं फैला था। हम लोग धुएं की तरफ दौड़ते हुए फैक्ट्री तक पहुंचे। वहां पूरी फैक्ट्री टूट गई थी। काम करने वाले मजदूर मलबे में दबे हुए थे। हम लोग घायलों को बचाने में जुट गए। फैक्ट्री 2 साल से चल रही थी। यहां 20-25 मजदूर काम करते थे। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। फैक्ट्री में अवैध तरीके से पटाखे बनाए जा रहे थे।

भारतीय फुटबॉल में विवाद जारी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया पर अपने निहित स्वार्थ के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान ने हालांकि इन आरोपों को निराधार बताया है।

चौबे का ये आरोप हाल ही में एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से भारत की चौंकाने वाली हार के बाद भूटिया द्वारा एआईएफएफ प्रमुख के पद से इस्तीफा मांगने के जवाब में था। भूटिया ने कहा था कि चौबे ने भारतीय फुटबॉल को नष्ट कर दिया है। चौबे से जब भूटिया की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 अलग अलग शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना

लिया जाता है। चौबे बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल का जिक्र कर रहे थे जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा कि ये पूरी तरह से निहित स्वार्थ है पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते हैं कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं तो मैं भी एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में अपना जीवन बना सकता हूं।

वहीं भूटिया ने चौबे के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। भूटिया ने सिक्किम से पीटीआई से कहा कि, चौबे ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास जानकारी का आभाव है। वह बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्हें फुटबॉल अकादमी के बारे में कुछ भी नहीं पता। मैंने 14 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से फुटबॉल स्कूल खोले हैं। राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली।

साथ ही उन्होंने कहा कि, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से ज्यादा बच्चे खेलते हैं। एआईएफएफ भी ऐसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि, वह फीस की बात कर रहे हैं लेकिन मेरे स्कूलों में 150 योग्य कोच और उनके द्वारा इस्तमेला किए जा रहे मैदानों का खर्च कौन उठाएगा, कोई भी मुझे वित्तीय रूप से मदद नहीं कर रहा है। अकादमी चलाने के लिए मुझे फीस तो लेनी ही होगी। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहां से 10000 रुपये प्रति बच्चा प्रति माह की फीस की बात कर रहे हैं हम इतना शुल्क नहीं लेते हैं।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप -पोंटिंग

नई दिल्ली , (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है।

वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही।

अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अनुभवी साझा करना रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के लॉन्च में देरी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा जिसके शुरू होने में अब महज कुछ ही दिन शेष हैं। भारत- इंग्लैंड के बीच सीरीज से पहले एक बड़ा बदलाव हुआ है, दरअसल, इस टेस्ट सीरीज को तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जाना जाएगा। भारत के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखा गया है। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के सम्मान में इसे पहले पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला मेजबान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने किया। नाम तो बदल दिया गया है लेकिन नई ट्रॉफी का अनावरण अब तक नहीं हो पाया है। बता दें कि, इस ट्रॉफी का अनावरण 14 जून को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र के फाइनल के दौरान होना था। वहीं अब इस देरी की वजह सामने आई है। कहा जा रहा है कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के कारण इसमें देरी हुई है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा है कि, अहमदाबाद में हाल ही में हुई दुर्घटना के कारण ट्रॉफी के अनावरण में देरी हुई है। इसे रद्द नहीं किया गया है उम्मीद है कि सीरीज शुरू होने से पहले ट्रॉफी का अनावरण कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि, अहमदाबाद में विमान हादसे में ब्रिटिश नगारिकों की भी मौत हुई थी। एयर इंडिया का ये विमान लंदन जा रहा था और उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एयर इंडिया के मुताबिक विमान में सवार यात्रियों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे।

पहली बार पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा, नया रिकॉर्ड बनाने पर नजर

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरच चोपड़ा 20 जून को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में खेलने उतरेंगे। नीरज आठ साल बाद इस टूर्नामेंट के पेरिस चरण में हिस्सा लेंगे। नीरज लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे हैं और उनकी नजरें अब इस प्रतियोगिता में टॉप पर रहने की होगी। नीरज ने पिछले साल ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इसमें हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि नीरज और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में नरीज के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

वहीं नीरज ने 2025 सत्र की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब के साथ की। ये एफ श्रेणी की मामूली प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के जादुई निशान को पार किया लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के साथ टॉप स्थान हासिल किया था।

जेनसन भविष्य में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे -पोंटिंग

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में नसेन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिली है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालांकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है।

कुलदीप यादव ने मंगेतर संग इंस्टाग्राम पर पोस्ट की खूबसूरत तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज कुलदीप यादव ने हाल ही में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका से सगाई की थी। 4 जून को लखनऊ में एक निजी समारोह में दोनों ने सगाई की। इस समारोह में उनके करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल हुए। टीम के साथी रिंकू सिंह भी वहां मौजूद थे। वहीं सगाई के बाद कुलदीप इंग्लैंड दौरे पर हैं जहां वो 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटे हैं। वहीं नवंबर में उनकी शादी की संभावना जताई जा रही है। दरअसल,

बता दें कि कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की एक तस्वीर शेयर की थी, लेकिन बाद में उन्होंने उसे हटा दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया ये कोई नहीं जानता।

बता दें कि, वंशिका लखनऊ के श्याम नगर की रहने वाली हैं और एलआईसी में काम करती हैं। कुलदीप के लिए ये एक बड़ी खुशी का मौका है। इंग्लैंड दौरे पर कुलदीप एकमात्र स्पिन गेंदबाज हैं, उन्होंने इंग्लैंड में सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। जिसमें उन्होंने 9 ओवर गेंदबाजी की थी।

युवराज सिंह के पिता योगराज ने सेलेक्टर्स पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। , (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। एक बार फिर वह चर्चाओं में हैं। इस बार उन्होंने 2011 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम में हुए बदलावों को लेकर सेलेक्टर्स पर हमला बोला है। उनका कहना है कि सेलेक्टर्स ने बिना वजह कई खिलाड़ियों का करियर खत्म कर दिया, इनमें युवराज सिंह, गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, वीवीएस लक्ष्मण, राहुल द्रविड़ और मोहम्मद कैफ जैसे नाम शामिल हैं।

दरअसल, योगराज सिंह ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा कि, आपने इन खिलाड़ियों को यूं ही खत्म कर दिया। आपने 2011 वर्ल्ड कप के बाद पूरी टीम तोड़ दी। सात खिलाड़ियों का करियर कूड़े में डाल दिया गया।

साथ ही योगराज सिंह ने पूर्व सेलेक्टर मोहिंदर अमरनाथ और उनकी समिति को भी जमकर लताड़ा है। उन्होंने दावा किया कि 0-4 से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद एमएस धोनी को कप्तानी से हटाने का फैसला हो चुका था। लेकिन बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष ए श्रीनिवासन ने इस फैसले को रोक दिया।

अमरनाथ ने भी पहले स्वीकार किया

था कि धोनी को हटाने का फैसला सेलेक्टन कमेटी ने सर्वसम्मति से लिया था लेकिन उसे बीसीसीआई के उच्च स्तर पर रोक दिया गया। अमरनाथ ने काफी साल पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर आप चयनकर्ताओं को स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो फिर चयन समिति का क्या मतलब? बता दें कि, 2011 में भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले कई दिग्गज खिलाड़ी जैसे गंभीर, युवराज, हरभजन और जहीर, 2015 वर्ल्ड कप तक आते-आते पूरी तरह टीम से बाहर हो चुके थे। वहीं राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण ने कुछ समय बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

हालांकि, धोनी कप्तान बने रहे और 2014 के आखिर तक टेस्ट टीम की अगुवाई करते रहे। उन्होंने जनवरी 2017 में सीमित ओवरों की कप्तानी भी विराट कोहली को सौंप दी। योगराज सिंह ने इन तीखे बयानों ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट में 2011 के बाद हुए बदलावों और अंदरूनी राजनीति को उजागर किया है।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में इस दिन टकराएंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली श्रीलंका और भारत की मेजबानी में होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होगा। 8 टीमों के बीच टूर्नामेंट में कुल 31 मैच खेले जाएंगे, जिसके पूरे शेड्यूल की जानकारी सामने आई है। इस पूरे टूर्नामेंट में सबसे चर्चित मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला है।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का पहला मैच मंगलवार, 30 सितंबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें मेजबान भारत और श्रीलंका आमने सामने होगी। हाइब्रिड मॉडल के तहत होने वाले इस आयोजन में पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी। वहीं भारत के साथ वर्ल्ड

कप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं। इसके अलावा फॉर्मेट की बात करें तो राउंड-रॉबिन के बाद नॉकआउट स्टेज में 2 सेमीफाइनल होंगे।

बैंक परिसर में भड़की आग, विद्युत मीटर में ब्लास्ट से मची भगदड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिरमौर चौराहे पर स्थित यूनियन बैंक में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग बैंक के बाहर लगे विद्युत मीटर के ब्लास्ट होने से लगी। जिसके बाद बैंक के बाहर लगे बैनर और पोस्टर से आग भड़क उठी। आगजनी की इस घटना से बैंक में मौजूद ग्राहक सहित अधिकारियों और कर्मचारियों में भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। इस दौरान बैंक के अंदर मौजूद ग्राहक सहित अधिकारी और कर्मचारी जान बचाकर भागते नज़र आए। इससे पहले कि आग विकराल रूप धारण करती। तब तक बैंक में मौजूद अग्निशामक यंत्र की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। इसी दौरान स्थानीय लोगों द्वारा दी गई सूचना के बाद दमकल कर्मी भी फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग बुझाई जा चुकी थी। समय रहते आग पर काबू पाने के बाद एक बड़ी घटना होने से टल गई।

चोर समझ कर बिजली विभाग के कर्मचारियों पर प्राणघातक हमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले के गढ़ थाना अंतर्गत ग्राम देवगांव में बिजली विभाग के कर्मचारियों पर प्राणघातक हमले का मामला सामने आया है। हमले में चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बिजली विभाग के कर्मचारियों को चोर समझकर ग्रामीणों ने हमला किया है। जिसके बाद भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई और चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दौरान वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। बताया गया है कि ये वारदात बीती देर रात करीब 12 बजे हुई। इस वारदात में रमाकांत पटेल, प्रमोद कश्यप, अनिल विश्वकर्मा और कमलेश प्रजापति को गंभीर चोटें आई हैं जबकि आठ कर्मचारी मौके से भाग खड़े हुए। घटना के तत्काल बाद घायलों ने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस 2 घंटे बाद घटना स्थल पर पहुंची। वहीं घटना के बाद अब विद्युत विभाग के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।

सतना आवारा बैल ने युवक पर किया हमला, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में एक आवारा बैल ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। दरअसल रविवार को सुबह जयस्तंभ चौक पर दो बैल आपस में लड़ रहे थे, तभी एक युवक इनकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित शिवम अहिरवार अपनी मां के साथ सब्ज़ी खरीदने आया था। वो अपनी बाइक पर बैठा था, तभी आपस में लड़ रहे दो बैल उसकी बाइक से टकरा गए।

इसी दौरान एक बैल ने युवक की कमर पर सींग मार दी, जिससे उसकी कमर पर छह इंच का गहरा घाव हो गया। घायल को पहले ज़िला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे रीवा रेफर कर दिया। घटना के बाद एंबुलेंस के लिए कॉल किया गया, लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। जिसके बाद मोहम्मद फैज़ल इकबाल और उनके एक दोस्त ने घायल युवक को बाइक से अस्पताल पहुंचाया। बतादें कि नगर निगम ने आवारा जानवरों को पकड़ने के लिए हांका दल बनाया है। लेकिन शहर में सैकड़ों की संख्या में घूम रहे आवारा जानवर आए दिन हादसों का कारण बन रहे हैं। प्रशासन की ओर से इस समस्या पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

चौराहे के नामकरण को लेकर नगर निगम कार्यालय में हंगामा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चौराहे के नामकरण को लेकर सतना नगर निगम में सोमवार को राजपूत संगठन, विप्र सेना सहित सर्व समाज के लोगों ने उग्र विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्यालय का घेराव किया। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने भीड़ को रोकने के लिए लगाए गए बैरिकेड्स को भी तोड़ दिया और कार्यालय में घुसने की कोशिश की। हालांकि नगर निगम कर्मचारियों ने सभी गेटों में ताला लगा दिया था, जिससे प्रदर्शनकारी मुख्य गेट पर ही डटे रहे। दरअसल सतना के हवाई अड्डा चौराहे का नाम बदलने से सर्व समाज के लोग आक्रोशित हैं। बताया गया कि एक दशक पहले इस चौराहे में महाराणा प्रताप की विशालकाय प्रतिमा लगी थी। और हर वर्ष यहीं से महाराणा प्रताप जयंती पर शौर्य यात्रा निकाली जाती है, लेकिन अब इस चौराहे पर एम आईसी में प्रस्ताव पारित कर सहस्त्र बाहु चौराहा नाम रखने और विशालकाय प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसका विरोध शुरू हो चुका है। सर्व समाज के लोग महापौर योगेश ताम्रकार पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाया है।

युवक को सड़क पर थूकना पड़ा महंगा, रीवा निगमायुक्त ने सिखाया सबक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा वार्ड क्रमांक 4 एवं 5 का निरीक्षण कर वहां की मूलभूत आवश्यकताओं एवं समस्याओं का जायज़ा लिया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। विशेष रूप से जल एवं सीवर लाइन बिछाने तथा रेस्टोरेशन कार्यों की गति और गुणवत्ता पर ज़ोर देते हुए समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एक बाइक सवार युवक सड़क पर गुटखा खाकर थूकते हुए निकला। जिसे रोककर निगमायुक्त ने युवक का चालान कटवाया और फटकार लगाते हुए स्वच्छता की समझाइश भी दी।

रीवा के होनहार पुलिस आरक्षक पीएससी में चयनित, बने क्लास टू अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के अमहिया थाना में पदस्थ पुलिस आरक्षक भारत सिंह ने पुलिस की ड्यूटी के साथ ही पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान लगाए रखा, जिसका परिणाम है कि उनका चयन पीएससी में सहायक प्राध्यपक के पद के लिए हो गया है। एमपी के धार ज़िले के रेबड़दा गांव के रहने वाले भारत सिंह जामोद ने बताया कि उन्होंने 2022 में रीवा में पुलिस आरक्षक के पद पर ज्वाइंन किया था 2022 मे ही उन्होंने पी एससी परीक्षा का आवेदन भरा और 2024 में ये परीक्षा आयोजित की गई थी। 2025 में इंटरव्यू हुआ था 13 जून 2025 को चयनसूची जारी हुई है। जिसमें 120 लोगो का चयन किया गया। जिसमें वो भी शामिल हैं। भारत का कहना है कि डयूटी के बाद के समय में वो पढ़ाई करते थे। इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह सहित थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बधाई दी है। आइए जानते हैं इस सफलता पर भारत सिंह का क्या कहना है।

रीवा में लूट की घटना को लेकर अग्रवाल समाज ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में चोरों और बदमाशों का आतंक बढ़ता जा रहा है, [20] आए दिन चैन, पर्स और मोबाइल स्नैचिंग की वारदातें हो रही हैं। बदमाश बड़ी आसानी से वारदात को अंजाम देकर निकल जाते हैं। शहर के ढेकाहा में अग्रवाल दंपति से चलती हुई ऑटो में बाइक सवार बदमाशों ने करीब 8 लाख की लूट की थी। वारदात के 15 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा, जिससे आक्रोशित अग्रवाल समाज सहित व्यापारी वर्ग के लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ़्तारी की मांग की।

लखनऊ से आम बेचने रीवा मंडी में आए व्यापारी की, बाईपास में मिली लाशश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ से आम लेकर रीवा मंडी आये व्यापारी का शव मिला है। शव विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत बाईपास में आम के पेड़ के नीचे पड़ा हुआ पाया गया। पुलिस ने शव को संजय गांधी अस्पताल की मॅर्चुरी में रखा दिया है और परिजनों को घटना की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि कमलेश कुमार पाल लखनऊ से पिकअप वाहन में आम लोड कर रीवा मंडी बेचने आए थे। जहां आम की बिक्री करने के बाद वापस लखनऊ जा रहे थे, इसी दौरान अचानक उन्होंने फोन उठाना बंद कर दिया। घर के लोग जब उनकी तलाश में आए तो पता चला कि विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत बाईपास में आम के पेड़ के नीचे उनका शव पाया गया है जबकि वहीं पर पिकअप वाहन भी खड़ा था। बताया गया है कि मृतक का मोबाइल ग़ायब है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। व्यापारी की मृत्यु कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है इसकी जांच भी पुलिस कर रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने दिये निर्देश

अब सभी फाइलें ई आफिस के माध्यम से ही भेजें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि ई आफिस व्यवस्था सभी कार्यालयों में लागू हो गई है। कलेक्ट्रेट कार्यालय की सभी शाखाओं की फाइलें भी ई आफिस माध्यम से ही प्रस्तुत करें। सभी अधिकारी फाइलें ऑनलाइन ही भेजें। अब कलेक्ट्रेट में अन्य किसी माध्यम से प्रस्तुत फाइलें स्वीकार नहीं की जाएंगी। अधीनस्थ कार्यालयों से भी आनलाइन माध्यम से ही पत्राचार और नस्तियों का आदान-प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि भू अर्जन से संबंधित सभी विभाग, एसडीएम और अग्रणी बैंक प्रबंधक बैंक खातों के संबंध में शासन के निर्देशों का दो दिवस में पालन कराते हुए समस्त कार्यवाही करें। अन्य खाते बंद कराकर उनकी राशि पीडीए खाते में आज ही जमा करा दें। जिला खनिज अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही समस्त फाइलें प्रस्तुत करें साथ ही अवैध उत्खनन और परिवहन पर कार्यवाही की भी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि समाधान आनलाइन में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा मई माह में दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराकर विभाग की ग्रेडिंग में सुधार करें। सभी अधिकारी 19 जून तक विशेष प्रयास करके लंबित प्रकरणों का निराकरण करें तथा विभाग डी और सी श्रेणी में न रहे, इसे सुनिश्चित करें। मांग आधारित प्रकरणों तथा अन्य प्रकरणों में समुचित जवाब दर्ज करें। प्रकरण अनअटेंडेड रहने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा मेडिकल कालेज के प्रतिनिधि जननी सुरक्षा योजना के लिए आवंटित राशि का दो दिन में भुगतान कराकर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। इससे जुड़े सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भुगतान करके निराकरण कराएं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में तथ्यपूर्ण उत्तर न दर्ज करने पर बीएमओ गोविंदगढ़ को नोटिस दें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रोगी कल्याण समिति के पांच वर्षों के आय-व्यय का विवरण दें। अपर कलेक्टर रोगी कल्याण समिति के आय-व्यय की आडिट रिपोर्ट का परीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, जिला श्रम पदाधिकारी, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन, अधीक्षण यंत्री ऊर्जा तथा कार्यपालन यंत्री पीएचई सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें।

कलेक्टर ने कहा कि 27 जून को स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा। जिला महाप्रबंधक उद्योग तथा अन्य अधिकारी स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों का निराकरण कराकर हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण कराएं। आयुक्त नगर निगम तथा सभी सीएमओ शहरी क्षेत्र में नालों और नालियों की साफ-सफाई कराएं। जल भराव वाले क्षेत्र चिन्हित करके उनमें जल निकासी की तत्काल व्यवस्था करें। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा खुले ट्रांसफार्मरों को सुरक्षित रूप से बंद कराएं जिससे वर्षाकाल में कोई अप्रिय घटना न हो। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वीकृत सभी कार्यों को एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। साथ ही मनरेगा के कार्यों को भी पूरा कराकर कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए पुनः अभियान शुरू किया गया है। सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय के वार्डों में शिविर लगाकर शेष बचे हुए पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। जिले में 70 साल से अधिक आयु के 106749 व्यक्ति हैं। इनमें से केवल 32270 के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। शेष सभी के आयुष्मान कार्ड अभियान के दौरान बनाएं। इसके साथ-साथ धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, कर्मकार कल्याण मण्डल तथा वय वंदना योजना के हितग्राहियों के भी आयुष्मान कार्ड बनाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इसके लिए समुचित प्रबंध करें।

बैठक में पेयजल व्यवस्था, खाद और बीज के उठाव तथा वितरण, प्राकृतिक आपदा से बचाव और राहत के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेज से नियुक्ति पाने वाले पाँच भृत्यों के नियुक्ति आदेश किए गए निरस्त

समिति की जाँच में फर्जी दस्तावेज से नियुक्ति पाने वालों के आदेश हुए निरस्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बृजेश कुमार कोल द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैधानिक रूप से भृत्य पद पर अनुकंपा नियुक्ति का मामला सामने आने पर 14 मार्च 2025 से 31 मई 2025 की अवधि में की गई अनुकंपा नियुक्तियों की जाँच कराई गई। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा गुप्ता ने बताया कि तीन सदस्यीय समिति द्वारा प्रस्तुत जाँच प्रतिवेदन में अनुकंपा नियुक्ति के पाँच मामले फर्जी तथा कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर भृत्य के पद में नियुक्त पाए गए।

इनके प्रकरण में दर्ज अभिलेखों का सत्यापन कराए जाने पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त पाँच भृत्यों को अलग-अलग आदेश जारी करके 13 जून को उनके नियुक्ति आदेश निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें विनय कुमार रावत पिता स्वर्गीय राजेश रावत ग्राम पोस्ट बरौं तहसील सेमरिया भृत्य शासकीय उमावि तिघरा तथा हीरामणि रावत पिता स्वर्गीय भैयालाल रावत निवासी ग्राम पोस्ट जोड़ौरी भृत्य शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बीड़ा के नियुक्ति आदेश निरस्त किए गए हैं। इसी तरह सुषमा कोल पिता स्वर्गीय श्यामलाल कोल निवासी ग्राम-पोस्ट सोहागी भृत्य शासकीय उत्कृष्ट उमावि गंगेव, श्रीमती ऊषा देवी पिता स्वर्गीय बुद्धसेन वर्मा निवासी ग्राम चंदेला पोस्ट चंदपुर भृत्य शासकीय उमावि अटरिया तथा ओप्रकाश कोल माता स्वर्गीय राधा कोल निवासी ग्राम खुंथी पोस्ट उमरी गोविंदपुर भृत्य शासकीय उमावि अटरिया के भी नियुक्ति आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। इन प्रकरणों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण में प्राचार्य की अनुशंसा, मृतक कर्मचारी की कर्मचारी यूनिक आईडी तथा मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज फर्जी और कूटरचित पाए गए। जिसके कारण नियुक्ति आदेश निरस्त किए गए हैं।

आईटीआई में शार्ट टर्म कोर्स का प्रशिक्षण

रीवा. शासकीय संभागीय आईटीआई में एक माह का शार्ट टर्म कोर्स का प्रशिक्षण दिया जायेगा। ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल के सहयोग से एक जुलाई से 30 जुलाई तक वेसिक कम्प्यूटर, इलेक्ट्रीशियन, कास्मेटोलॉजी तथा रवींश टेक्नालॉजी का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्राचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 8वीं से कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राएं 250 रूपये शुल्क देकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी आईटीआई से प्राप्त की जा सकती है।

रोजगार मेले में 345 युवाओं को मिला रोजगार का मौका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में महावीर आईटीआई रीवा में रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 413 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 13 कंपनियों ने 345 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में आमधनी प्रा. लि. एमआरएफ टायर्स गुजरात ने 8, अपोलो टायर्स याजाकी धूत ट्रांसमिशन गुजरात ने 2, एल एण्ड टी कंस्ट्रक्शन कांचीपुरम ने 27, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार ने 26, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक महाराष्ट्र ने 80, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा ने 16, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा ने 21, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा ने 36, भारती एक्सा लाईफ इंश्योरेंस प्रा. लि. रीवा ने 22, ग्रेट आर्गेनिक डायमंड कंपनी लि. सागर ने 25, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल ने 20 तथा ओत्सुका फार्मास्युटिकल इंडिया प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात 62 युवाओं का चयन किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वज्रपात से बचने दिशा-निर्देशों का करें पालन

मीडिया ऑडीटर, रीवा / सतना (निप्र)। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है।

विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं ए.एन.एम./सी.एच.ओ. के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

सर्पदंश से घबराएं नहीं, एक में एंटीवेनम लगवाएं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दी सर्पदंश से बचाव एवं उपचार की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा / सतना (निप्र)। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन रीवा जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

डॉ शुक्ला ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। डॉ शुक्ला ने कहा है कि सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।